दैनिक
सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित
नगर संस्करण | इंदौर, रविवार, 19 जुलाई 2026 | वर्ष : 01, अंक : 223, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

70 नहीं, 17 की ऊर्जा का नाम है कैलाश विजयवर्गीय

साफगोई

नितिन श्रीवास
संपादक

कैलाश विजयवर्गीय का यह कथन केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि उनके पूरे राजनीतिक जीवन का सार है। आज जब राजनीति में शब्दों को नाप-तौलकर बोलने का दौर है, तब कोई नेता यदि बिना लाग-लपेट अपनी बात कहने का साहस रखता है, तो वह भीड़ से अलग दिखाई देता है। कैलाश विजयवर्गीय उन्हीं विरले नेताओं में हैं, जिन्होंने कभी दोहरी भाषा नहीं बोली। जो मन में होता है, वही मंच से कहते हैं और जो कहते हैं, उसे करने का साहस भी रखते हैं।

इंदौर की गलियों से शुरू हुआ उनका सफर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंचा। पार्षद, महापौर, विधायक, मंत्री और राष्ट्रीय महासचिव—हर जिम्मेदारी को उन्होंने केवल पद नहीं, बल्कि दायित्व माना। उन्होंने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि संगठन निर्माण और जनसेवा का साधन बनाया।

इंदौर के विकास की कहानी लिखी जाएगी तो कैलाश विजयवर्गीय का नाम स्वाभाविक रुप से उसमें दर्ज होगा। शहर के बुनियादी ढांचे, उद्योग, निवेश और विकास की अनेक योजनाओं में उनकी सक्रिय भूमिका रही। इंदौर को मध्य भारत की आर्थिक पहचान दिलाने की दिशा में उनके प्रयासों को उनके समर्थक आज भी याद करते हैं।

मध्य प्रदेश की राजनीति में उन्होंने संगठन और सरकार के बीच मजबूत समन्वय स्थापित किया। कार्यकर्ताओं के बीच उनकी स्वीकार्यता का सबसे बड़ा कारण यह रहा कि वे मंच के नेता कम और मैदान के नेता अधिक रहे। कार्यकर्ता उन्हें इसलिए अपना मानता है क्योंकि उन्होंने हमेशा संगठन को परिवार की तरह संभाला।

और यदि भाजपा के संगठनात्मक इतिहास की बात हो, तो पश्चिम बंगाल का अध्याय उनके बिना अधूरा है। जब भाजपा वहां सीमित राजनीतिक उपस्थिति रखती थी, तब संगठन की जिम्मेदारी संभालते हुए उन्होंने बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया। लगातार संघर्ष, संवाद और संगठन विस्तार के प्रयासों ने भाजपा को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। किसी भी राजनीतिक सफलता का श्रेय सामूहिक होता है, लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि उस संघर्ष के अग्रिम पंक्ति के सेनानायकों में कैलाश विजयवर्गीय का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

उनकी भाषा कई बार विवादों का विषय बनती है। आलोचक इसे आक्रामक कहते हैं, लेकिन समर्थकों के लिए यही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। वे दिखावे की राजनीति नहीं करते, शब्दों की सजावट नहीं करते और न ही परिस्थितियों के अनुसार अपने विचार बदलते हैं। स्पष्टवादिता उनका स्वभाव है, रणनीति नहीं।

और अब उस बयान पर लौटते हैं जिसमें उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा—"70 साल का हो गया हूं... यूं ही सठिया गया हूं।"

कैलाश जी, आप 70 वर्ष के नहीं, 17 वर्ष की ऊर्जा, उत्साह और संकल्प वाले व्यक्तित्व हैं। आपकी आंखों में आज भी वही चमक है, कार्यकर्ताओं के बीच वही आत्मीयता है और संगठन के लिए वही समर्पण है जिसने आपको दशकों तक प्रासंगिक बनाए रखा।

यदि कोई सठियाया है, तो वह आप नहीं; बल्कि वे लोग हैं जो आपकी जगह लेने का सपना तो देखते हैं, लेकिन आपकी कार्यशैली, संगठन क्षमता, निर्णय लेने की शक्ति और जनस्वीकार्यता तक पहुंचने की कल्पना भी नहीं कर सकते। नेतृत्व केवल पद से नहीं मिलता, वह संघर्ष, त्याग, विश्वास और परिणामों से अर्जित होता है।

राजनीति में नेता बहुत आते हैं, पद भी बदलते रहते हैं, लेकिन कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो संस्था बन जाते हैं। कैलाश विजयवर्गीय उन्हीं व्यक्तित्वों में से एक हैं। उनसे मतभेद हो सकते हैं, उनकी शैली पर बहस हो सकती है, लेकिन उनके संघर्ष, संगठन निर्माण की क्षमता और कार्यकर्ताओं के प्रति समर्पण को नकारना आसान नहीं।

आज जब राजनीति में मुखौटे अधिक और चेहरे कम दिखाई देते हैं, तब कैलाश विजयवर्गीय बिना मुखौटे के खड़े दिखाई देते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और यही उनकी पहचान भी।

साफगोई, साहस, संगठन और संकल्प—यदि इन चार शब्दों को किसी एक राजनीतिक व्यक्तित्व में समेटना हो, तो समर्थकों की नजर में उसका नाम है—कैलाश विजयवर्गीय।

70 साल का हो गया हूं, यूं ही सठिया गया हूं': कैलाश

'किसी को बुरा लगे तो लगे': विजयवर्गीय बोले- मैं जो भी करता हूं, सामने करता हूं

सनातन वीर ● इंदौर

इंदौर में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय मंच से कहा- मैं जो भी करता हूं, मुंह पर करता हूं, पीठ पीछे नहीं। जो गलत है, वो गलत है और जो सही है, वो सही। 70 साल का हो गया हूं, यूं ही सठिया गया हूं... किसी को बुरा लगे तो लगे, अपने को क्या फर्क पड़ता है। वहीं, दूसरी ओर उन्होंने छात्राओं को दोस्ती, नशे और सामाजिक बुराइयों को लेकर खुलकर सलाह दी।

विधानसभा-1 स्थित पीएम राइस स्कूल अहिल्या आश्रम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विजयवर्गीय ने छात्राओं को यह बात मजेदार अंदाज में यह बात कही। इस दौरान वहां खूब ठहाके लगे। शनिवार को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर के दो अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए।

रहमान अपना नाम राम बताकर तुमसे दोस्ती करेगा

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने लव जिहाद को लेकर छात्राओं को आगाह किया कि किसी भी लड़के से दोस्ती सोच-समझकर करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कई बार लोग अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर संबंध बनाते हैं और बाद में सच्चाई सामने आती है। उन्होंने छात्राओं को सतर्क और जागरूक रहने की सलाह दी।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने छात्राओं को सतर्क और जागरूक रहने की सलाह दी। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने छात्राओं को सतर्क और जागरूक रहने की सलाह दी।

नशा करने वाले भाई को राखी नहीं बांधने की अपील

विजयवर्गीय ने नशामुक्ति का संदेश भी दिया। उन्होंने छात्राओं से कहा कि यदि उनका भाई नशा करता है तो रक्षाबंधन पर उसे राखी नहीं बांधने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण, हनुमानजी या भोलेनाथ को राखी बांध देना, लेकिन नशा करने वाले भाई से कहना कि जब तक नशा नहीं छोड़ेगा, तब तक राखी नहीं बांधी जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि पिता या भाई नशे की हालत में घर आएं तो उनके विरोध में भूख हड़ताल जैसे

प्रतीकात्मक कदम भी उठाए जा सकते हैं। उनके अनुसार परिवार यदि ठान ले तो नशे की लत छुड़ाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने स्कूल को फर्नीचर और वाटर कूलर भी भेंट किए। उन्होंने कहा कि बेहतर शिक्षा और स्वस्थ वातावरण बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। विजयवर्गीय के बेबाक बयानों को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा तेज है। उनके '70 साल का हो गया हूं, यूं ही सठिया गया हूं' वाले बयान को लेकर अलग-अलग राजनीतिक अर्थ निकाले जा रहे हैं।

सीएम योगीः 'बहुत हुआ अत्याचार, अब संभल में तुर्क की तुर्कई नहीं चलेगी

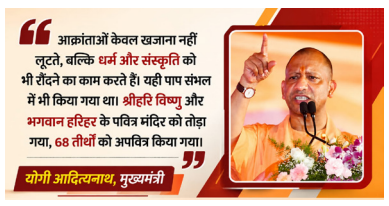

मुरादाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बहजोई के निकट फत्तेहपुर शरीफनगर गांव पहुंचकर 569 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी ली।

कार्यक्रम स्थल पर भाजपा कार्यकर्ताओं और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित इंटीग्रेटेड मुख्यालय भवन परिसर में आयोजित जनसभा के दौरान संभल, चंदौसी, गुन्नौर और असमोली विधानसभा क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने 68.96 करोड़ रुपये की 12 परियोजनाओं का लोकार्पण किया, जबकि करीब 500 करोड़ रुपये की 56 परियोजनाओं की आधारशिला रखी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रशासन की ओर से अतिक्रमण मुक्त कराई गई सरकारी जमीनों के पट्टे भी भूमिहीन परिवारों को वितरित किए। प्रशासन के अनुसार करीब 50 वर्षों से कब्जे में रही इन जमीनों को हाल में मुक्त कराया गया है।

चंदौसी में गणपति की 145 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण- संभल के बहजाई में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भगवान विष्णु के दसवें अवतार की भूमि और सनातन परंपरा के पावन तीर्थ सत्यव्रत से अपनी यात्रा शुरू करने वाला यह क्षेत्र आज संभल के रूप में जाना जाता है। उन्होंने भगवान हरिहर की पावन धरा को कोटि-कोटि नमन करते हुए उपस्थित लोगों का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें जनपद संभल के चंदौसी में गणपति की 145 फीट ऊंची प्रतिमा और मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की 151 फीट ऊंची प्रतिमा के अनावरण का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

अस्पताल बोला- किडनी पर खतरा, वांगचुक की पत्नी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली ● एजेंसी

20 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस द्वारा जंतर-मंतर से हटाकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद मामला गर्मा गया है। अस्पताल द्वारा जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, लंबे उपवास के कारण वांगचुक के शरीर में पानी की भारी कमी, पोटेशियम का गिरता स्तर और तेजी से बढ़ते कीटोन पाए गए हैं, जिससे उनकी किडनी खराब होने और अन्य गंभीर मेटाबॉलिक दिक्कतें होने का खतरा मंडरा रहा है। डॉक्टरों ने इलाज शुरू करने की सख्त सलाह दी है, लेकिन वांगचुक ने किसी भी तरह की ड्रिप या दवा लेने से साफ इनकार कर दिया है।

सफदरजंग अस्पताल के बुलेटिन के अनुसार, 59 वर्षीय सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह 7:40 बजे अस्पताल लाया गया था। भर्ती के समय वे होश में थे और उनका ब्लड प्रेशर व ऑक्सीजन का स्तर सामान्य था, लेकिन उनके शरीर में पानी की गंभीर कमी देखी गई। दोपहर 1 बजे तक

उनके यूरिन में कीटोन का स्तर 1+ से बढ़कर 3+ तक पहुंच गया, जो स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद चिंताजनक है। अस्पताल प्रशासन उनके परिजनों को लगातार समझा रहा है ताकि जल्द से जल्द इलाज शुरू किया जा सके।

इस बीच, सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. आंगमो ने अस्पताल प्रशासन और जांच रिपोर्ट की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि सफदरजंग अस्पताल की रिपोर्ट के मुताबिक वांगचुक का पोटेशियम स्तर गिरकर 2.9 हो गया है, जबकि कल ही यह 4.3 था। अस्पताल प्रशासन हमें किसी अन्य लैब से सेकंड ओपिनियन (दूसरी राय) लेने की अनुमति नहीं दे रहा है, और न ही हमारे सामने ब्लड सैंपल दे रहा है ताकि हम बाहर जांच करा सकें।

सुप्रीम कोर्ट : हर गाली अश्लीलता नहीं, अभद्र भाषा और अश्लीलता में है कानूनी फर्क

नई दिल्ली ● एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता के दायरे में नहीं आता है। शुक्रवार को जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि कोई शब्द तभी अश्लील माना जाएगा, जब वह कामुकता को बढ़ावा देने वाला हो या लोगों को भ्रष्ट करने की प्रवृत्ति रखता हो।

कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के एक मामले में सुनवाई के दौरान की। आरोपी मणि को जमीन विवाद के दौरान मां की गाली देने के लिए अश्लीलता के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

जमीन के विवाद में गाली-गलौज और जातिसूचक शब्द बोले थे- अगस्त 2017 में जमीन विवाद को लेकर आरोपी ने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज की थी। पीड़ित का आरोप था कि आरोपी ने जातिसूचक शब्दों भी कहे।

माँ की गाली भी हर मामले में क्राइम नहीं

बाद में घर से हथियार लाकर हमला कर दिया, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई थी।

निचली अदालत ने उसे अश्लीलता, गंभीर चोट और धमकी के लिए दोषी माना था।

सुप्रीम कोर्ट ने अश्लीलता और आपराधिक धमकी (IPC की धारा 506) के आरोपों से आरोपी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि गाली देने से किसी को परेशानी हुई, यह साबित नहीं हुआ। हालांकि, शिकायतकर्ता को गंभीर चोट पहुंचाने (IPC की धारा 326) के मामले में उसकी सजा बरकरार रखी गई है।

आरोपी की उम्र करीब 70 साल होने और स्वास्थ्य स्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने उसकी सजा को घटाकर 'कोर्ट उठने तक की कैद' कर दिया है। साथ ही, उसे 2 महीने के भीतर 50,000 रुपए का जुर्माना भरने का निर्देश दिया गया है।

मिडिल ईस्ट में युद्ध का नया मोर्चा

चाबहार पर हमला, ईरान का पलटवार और भारत के सामने नई रणनीतिक चुनौती

नई दिल्ली ● एजेंसी

मध्य पूर्व में चल रहा संघर्ष अब एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जिसने केवल क्षेत्रीय सुरक्षा ही नहीं बल्कि वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अमेरिका ने लगातार सातवीं रात ईरान के कई रणनीतिक ठिकानों पर बड़े पैमाने पर एयरस्ट्राइक की। इन हमलों में सैन्य अड्डों, ऊर्जा ढांचे, पुलों और चाबहार पोर्ट के एक निगरानी टावर को भी निशाना बनाया गया।

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय और सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने दावा किया कि इन हमलों का उद्देश्य ईरान की सैन्य क्षमताओं को कमजोर करना था। दूसरी ओर, ईरान ने इसे अपनी संप्रभुता पर सीधा हमला बताते हुए जवाबी कार्रवाई में कतर, कुवैत, बहरीन और जॉर्डन की दिशा में मिसाइलें और ड्रोन दागे। इससे यह संघर्ष अब केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैलने का खतरा बढ़ गया है।

चाबहार क्यों बना रणनीतिक केंद्र?- चाबहार पोर्ट हिंद महासागर से जुड़ा ईरान का सबसे महत्वपूर्ण समुद्री द्वार है। यह बंदरगाह अफगानिस्तान, मध्य एशिया और यूरोप तक पहुंच के लिए एक अहम लॉजिस्टिक हब माना जाता है। इस पर हमला केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि क्षेत्रीय व्यापार और समुद्री रणनीति पर भी बड़ा असर डाल सकता है।

भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है यह संकट?- भारत लंबे समय से चाबहार को

अपनी क्षेत्रीय कनेक्टिविटी रणनीति का अहम हिस्सा मानता रहा है। यह मार्ग पाकिस्तान को बायपास करते हुए मध्य एशिया तक पहुंच का विकल्प प्रदान करता है। यदि इस क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ता है, तो भारत के व्यापारिक हित, ऊर्जा सुरक्षा और पश्चिम एशिया में रणनीतिक संतुलन प्रभावित हो सकते हैं।

भारत अपनी कूटनीति में अमेरिका, ईरान और खाड़ी देशों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने की कोशिश करता रहा है। ऐसे में यह संकट नई दिल्ली के लिए एक जटिल कूटनीतिक परीक्षा बन सकता है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संभावित असर- यदि युद्ध लंबा खिंचता है, तो सबसे पहला प्रभाव वैश्विक तेल बाजार पर दिखाई देगा। खाड़ी क्षेत्र से दुनिया के बड़े हिस्से को ऊर्जा आपूर्ति होती है। किसी भी प्रकार की समुद्री बाधा या सैन्य तनाव से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आ सकता है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय शिपिंग, बीमा लागत और वैश्विक सप्लाई चेन पर भी दबाव बढ़ सकता है।

आगे क्या?- विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दोनों पक्ष सैन्य कार्रवाई जारी रखते हैं, तो यह संघर्ष पूरे मध्य पूर्व को अपनी चपेट में ले सकता है। ऐसे हालात में संयुक्त राष्ट्र, प्रमुख वैश्विक शक्तियों और क्षेत्रीय देशों की कूटनीतिक भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी।

निष्कर्ष- मिडिल ईस्ट का यह संकट अब केवल दो देशों के बीच का सैन्य टकराव नहीं रह गया है। इसके प्रभाव वैश्विक राजनीति, ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार और भारत जैसे देशों की रणनीतिक नीतियों तक पहुंच सकते हैं।

एक्सपर्ट ने कहा- ट्रॉमा से उबरने के लिए दोनों की प्रोफेशनल काउंसलिंग जरूरी

मां की मौत देखने वाले बच्चों को डिप्रेशन-एंग्जाइटी का खतरा

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में 11 जुलाई को हुई पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की हत्या के मामले में पुलिस एक हफ्ते बाद भी आरोपी पति अखिलेश सैनी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। इस बीच खून से लथपथ मां को अपनी आंखों से देखने वाले बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आ रही हैं।

वरिष्ठ मनोचिकित्सक स्मिता अग्रवाल के अनुसार, अपनी मां को ऐसी हालत में देखना बच्चों के लिए भयावह अनुभव है, जो उनके दिमाग पर लंबा असर छोड़ सकता है।

इस तरह के ट्रॉमा से बच्चों में ये समस्याएं हो सकती हैं

- **मानसिक तनाव** : चिंता (एंग्जाइटी), अवसाद (डिप्रेशन), डर और असुरक्षा की भावना।
- **भरोसे की कमी** : भविष्य में लोगों पर विश्वास करने में कठिनाई आना।
- **नींद में खलल** : रात में अचानक चौंककर उठना और डरावने सपने आना।
- **भविष्य पर असर** : स्कूल में पढ़ाई का कमजोर होना, सामाजिक व्यवहार में बदलाव और व्यक्तित्व विकास का प्रभावित होना।
- **छोटे भाई पर छिपा हुआ असर** : एक्सपर्ट्स का कहना है कि मासूम अव्यक्त भले ही अपनी भावनाएं खुलकर न बता पाए, लेकिन यह घटना उसके अवचेतन मन (Subconscious mind) में बैठ चुकी है, जो आगे चलकर उसके आत्मविश्वास को प्रभावित कर सकती है।

क्या आरोपी पैरानॉयड डिसऑर्डर से पीड़ित था?

मनोचिकित्सक के मुताबिक, कई बार ऐसे मामलों में आरोपी पैरानॉयड डिसऑर्डर या पैरानॉयड स्किजोफ्रेनिया जैसी मानसिक बीमारी से ग्रसित हो सकते हैं।

- **लक्षण** : बिना किसी ठोस वजह के अपने जीवनसाथी या करीबियों पर शक करना और समझाने के बाद भी अपनी सोच न बदलना।
- **हिंसक व्यवहार** : बेटी प्रेक्षा के बयानों के अनुसार, उसके पिता कई साल से लगातार मां के साथ विवाद करते थे। हिंसक होकर मारपीट पर उतारू हो जाते थे।

नाना-नानी के घर खंडवा भेजे गए बच्चे

मां की मौत और पिता के फरार होने के बाद 15 वर्षीय प्रेक्षा और 7 वर्षीय अव्यक्त की दुनिया पूरी तरह उजड़ चुकी है। रिश्तेदारों की सहमति से अब दोनों बच्चों को उनके नाना-नानी के घर खंडवा भेज दिया गया है, जहां उनका ख्याल रखा जा रहा है। उर्मिला से जुड़े शोक कार्यक्रम भी अब खंडवा में ही होंगे।

एक ही सवाल- पुलिस ने पापा को पकड़ा या नहीं?

डॉ. स्मिता अग्रवाल, एक्सपर्ट

अव्यक्त रोज बार-बार मां के बारे में पूछता है और बेमन से थोड़ा-बहुत खाना खाकर सो जाता है। उसकी बड़ी बहन प्रेक्षा बस एक ही सवाल पूछ रही है कि पुलिस ने पापा को पकड़ा या नहीं? एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस सदमे से बाहर निकलकर बच्चों को सामान्य जीवन में वापस लाने के लिए आने वाले दिनों में परिवार के साथ-साथ समाज के सहयोग और प्रोफेशनल मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग की सख्त जरूरत होगी।

संक्षेप

एमपी ट्रांसको में वन टू वन सघन प्रशिक्षण

इन्दौर। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा नवागत अभियंताओं को ट्रांसमिशन नेटवर्क की जटिल तकनीकों में दक्ष बनाने के लिए 'वन टू वन सघन प्रशिक्षण' कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस अभिनव पहल के तहत कंपनी के अनुभवी अभियंता इन नव नियुक्त सहायक अभियंताओं को सीधे कार्यस्थल पर व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। टेस्टिंग डिवीजन टीकमगढ़ के कार्यपालन अभियंता के मार्गदर्शन में सहायक अभियंता श्री गणेश प्रसाद राय एवं सहायक अभियंता श्रीमती चंदा यादव नवागत अभियंताओं को सबस्टेशन प्रोटेक्शन सिस्टम, रिले टेस्टिंग तथा विद्युत उपकरणों की कार्यप्रणाली का गहन प्रशिक्षण दे रहे हैं।

खरीफ फसल का बीमा करने की अपील

इन्दौर। किसान बंधु वर्ष 2026 में अल-नीनो के संभावित प्रभाव से अनियमित वर्षा एवं प्राकृतिक आपदाओं की संभावना को देखते हुए अपनी खरीफ फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करें। किसान कल्याण विभाग ने किसान बंधुओं से अपील की है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अपनी अधिसूचित फसल का बीमा 31 जुलाई 2026 तक अवश्य कराएं। फसल बीमा प्राकृतिक आपदा, सूखा, अतिवृष्टि एवं मौसम के कारण होने वाले अन्य जोखिम से होने वाली आर्थिक हानि से सुरक्षा प्रदान करता है। किसान बंधु अंतिम तिथि का इंतजार न करें, आज ही निकटतम बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केन्द्र, फसल बीमा पोर्टल, फसल बीमा ऐप एवं अधिकृत बीमा कंपनी के मध्यस्थ के माध्यम से फसल बीमा कराएं।

स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की

इन्दौर। वर्षा ऋतु के दौरान जलजनित एवं मच्छरजनित रोगों के बढ़ते खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने आमजन के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है। विभाग ने कहा है कि मानसून के मौसम में दूषित पानी, अस्वच्छता और जलभराव के कारण डायरिया, टाइफाइड, हेपेटाइटिस, पीलिया, पैचिश, हैजा, मलेरिया एवं डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। विशेष रूप से बच्चे और शिशु इन बीमारियों से अधिक प्रभावित होते हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार वर्षा और बाढ़ के बाद जल स्त्रोतों के दूषित होने से जलजनित रोग तेजी से फैलते हैं। इनसे बचाव के लिए सुरक्षित एवं उबला हुआ पेयजल उपयोग करने, भोजन स्वच्छ तरीके से तैयार करने तथा व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी गई है। भोजन करने से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोना संक्रमण से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

पुराने विवाद में पथराव और तोड़फोड़

पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया

इंदौर ● संवाददाता

एरोड्रम थाना क्षेत्र में कुछ लोगों ने एक व्यक्ति के घर पर हमला कर दिया। हमले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बदमाश वारदात करते नजर आ रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। फुटेज और फरियादी की शिकायत के आधार पर पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मामले में एसीपी अशोक सिंह जादौन ने बताया कि घटना शुक्रवार रात विजयश्री कॉलोनी, कालानी नगर की है। यहां रहने वाले राहुल राठौर के घर पर पप्पू खटिक ने अपने साथियों के साथ मिलकर पथराव किया था।

घटना का सीसीटीवी आया सामने

घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें आरोपी फरियादी के घर पर पथराव और तोड़फोड़ करते नजर आ रहे हैं। अचानक हुए हमले से आसपास अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फरियादी के बयान व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया। एसीपी ने बताया कि

पथराव और तोड़फोड़ के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुराने विवाद के चलते किया हमला

एसीपी ने बताया कि राहुल और पप्पू के बीच पुराना विवाद चल रहा है। पहले भी दोनों पक्षों के खिलाफ मामले दर्ज हो चुके हैं। इसी रंजिश के चलते पप्पू ने राहुल के घर पर हमला किया। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है कि वारदात में किसी हथियार का इस्तेमाल हुआ था या नहीं। यदि जांच में हथियार के इस्तेमाल की पुष्टि होती है, तो उसे जब्त कर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराएं भी बढ़ाई जाएंगी। साथ ही पुलिस आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाल रही है।

'मेट्रोपॉलिटन अथॉरिटी पहले बना दी, रीजन बाद में घोषित किया, ये गलत'

इंदौर/उज्जैन। उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन अथॉरिटी के गठन की प्रक्रिया को लेकर दायर जनहित याचिका पर शुक्रवार को हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। हाई कोर्ट ने सरकार को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब पेश करने के लिए कहा है। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि संविधान में जो प्रक्रिया दी गई है उसका पालन ही नहीं किया गया। कानूनन पहले 'मेट्रोपॉलिटन रीजन (क्षेत्र) घोषित होना था, उसके बाद अथॉरिटी बननी थी। सरकार ने पहले अथॉरिटी बना दी और क्षेत्र की अधिसूचना 5 महीने बाद 12 जून को जारी की। यह पूरी प्रक्रिया कानून के तय नियमों के विपरीत है। इसमें इंदौर की अनदेखी की गई है। हाई कोर्ट ने मौखिक रूप से पूछा कि इससे क्या नगर निगम की शक्तियां खत्म हो जाएंगी।

पांच लाख से ज्यादा की अवैध शराब और महुआ जब्त

पीथमपुर। धार जिले में आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की है। इस दौरान 5 लाख रुपये से अधिक मूल्य की अवैध शराब और महुआ लहान जब्त किया गया है। यह कार्रवाई पीथमपुर के सागौर वृत्त अंतर्गत भौंरिया तालाब, उसके आस-पास की खदानों, सतनाला, खेड़ा और जामोदी क्षेत्रों में की गई। टीम ने मौके से लगभग 4500 किलोग्राम महुआ लहान और 480 लीटर हाथ भट्टी (कच्ची) मदिरा बरामद की। इस संबंध में कुल 7 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिनेश उदेनिया ने बताया कि जब्त सामग्री की कीमत करीब 5,22,000 रुपये आंकी गई है। आबकारी विभाग ने सभी मामलों को विवेचना में ले लिया है।

क्राइम ब्रांच लगी थी तलाश में

एनडीपीएस एक्ट मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

इंदौर ● संवाददाता

एनडीपीएस एक्ट के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया। उसकी काफी समय से तलाश की जा रही थी। बता दे कि इस मामले में पूर्व में चार आरोपी गिरफ्तार हो चुके है।

इंदौर क्राइम ब्रांच डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि क्राइम ब्रांच को फरार आरोपी अरमान (23) पिता आजम खान, निवासी ग्राम सुरजानी, जिला मंदसौर को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। लंबे वक्त से उसकी तलाश की जा रही थी। एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में उसकी तलाश की जा रही थी। मुखबीर की सूचना और टेक्निकल साक्ष्य के आधार पर टीम ने उसे गिरफ्तार किया।

पूर्व में पकड़ाए आरोपी, 5 लाख 40 हजार की ड्रग्स मिली थी

उन्होंने बताया कि ईशान पिता इरफान खान निवासी झालावाड़, शाहनवाज पिता मो.साहिद निवासी छत्रीपुरा मेन रोड, नायब पिता मुबारिक शाह निवासी लाबरियाभेरू चौराहा और चितरंजन पिता वीरेंद्र सिंह राठौर निवासी जिला मंदसौर को गिरफ्तार किया जा चुका है। पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों के पास से 53.96 ग्राम एमडी ड्रग्स जिसकी कीमत 5 लाख 40 हजार रुपए और एक कार जिसकी कीमत 5 लाख रुपए है। इस तरह कुल 10 लाख 40 हजार रुपए का माल जब्त किया था। इधर, क्राइम ब्रांच की टीम आरोपी अरमान से पूछताछ कर ओर भी जानकारी निकाल रही है।

अब तक 50 मामलों में 108 आरोपी गिरफ्तार

डीसीपी त्रिपाठी ने बताया कि 1 जनवरी से अब तक एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत 50 मामलों में 108 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इन कार्रवाइयों में आरोपियों के पास से 2,298 किलोग्राम एमडी ड्रग्स, 28.338 किलोग्राम गांजा, 500 किलोग्राम भांग, 256.08 ग्राम ब्राउन शुगर और 10 ग्राम कोकीन लगभग 2,86,08,000 कीमत के मादक पदार्थ व गाड़ियां जब्त की गई है।

'70 साल का हो गया हूं...यूं ही सठिया गया हूं'

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय मंच से कहा- मैं जो भी करता हूं, मुंह पर करता हूं, पीठ पीछे नहीं। जो गलत है, वो गलत है और जो सही है, वो सही। 70 साल का हो गया हूं, यूं ही सठिया गया हूं... किसी को बुरा लगे तो लगे, अपने को क्या फर्क पड़ता है। वहीं, दूसरी ओर उन्होंने छात्राओं को दोस्ती, नशे और सामाजिक बुराइयों को लेकर खुलकर सलाह दी।

विधानसभा-1 स्थित पीएम राइस स्कूल अहिल्या आश्रम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विजयवर्गीय ने छात्राओं को यह बात मजेदार अंदाज में यह बात कही। इस दौरान वहां खूब ठहाके लगे। शनिवार को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर के दो अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने लव जिहाद को लेकर छात्राओं को आगाह किया कि किसी भी लड़के से दोस्ती सोच-समझकर करनी चाहिए। उन्होंने

कहा कि कई बार लोग अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर संबंध बनाते हैं और बाद में सच्चाई सामने आती है। उन्होंने छात्राओं को सतर्क और जागरूक रहने की सलाह दी।

नशा करने वाले भाई को राखी नहीं बांधने की अपील

विजयवर्गीय ने नशामुक्ति का संदेश भी दिया। उन्होंने छात्राओं से कहा कि यदि उनका भाई नशा करता है तो रक्षाबंधन पर उसे राखी नहीं बांधने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण, हनुमानजी या भोलेनाथ को राखी बांध देना, लेकिन नशा करने वाले भाई से कहना कि जब तक नशा नहीं छोड़ेगा, तब तक राखी नहीं बांधी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि पिता या भाई नशे की हालत में घर आएं तो उनके विरोध में भूख हड़ताल जैसे प्रतीकात्मक कदम भी उठाए जा सकते हैं। उनके अनुसार परिवार यदि ठान ले तो नशे की लत छुड़ाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने स्कूल को फर्नीचर और वाटर कूलर भी भेंट किए। उन्होंने कहा कि बेहतर शिक्षा और स्वस्थ वातावरण बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। विजयवर्गीय के बेबाक बयानों को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा तेज है।

सोलर पैनल की फाइल बढ़ाने के लिए मांगी रिश्वत

इंदौर ● संवाददाता

लोकायुक्त पुलिस इंदौर ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कनिष्ठ यंत्री नमेश कुमार भोंडेकर को 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। आरोपी सोलर पैनल संबंधी फाइल आगे बढ़ाने के एवज में 80 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा था।

लोकायुक्त से मिली जानकारी के अनुसार, परदेशीपुरा निवासी बिल्डर एवं होटल व्यवसायी शिवप्रकाश बसवाल ने 17 जुलाई 2026 को लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि अंबे नगर स्थित जीआर-7 होटल की इमारत पर लगाए जाने वाले सोलर पैनल की फाइल आगे बढ़ाने के लिए

कनिष्ठ यंत्री नमेश कुमार भोंडेकर 80 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। शिकायत के सत्यापन के दौरान रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय के निर्देशन में निरीक्षक सचिन पटेरिया के नेतृत्व में ट्रैप टीम गठित की गई। शनिवार को टीम ने सुखलिया जोन स्थित विद्युत वितरण कंपनी के कार्यालय में कार्रवाई की। यहां आरोपी कनिष्ठ यंत्री को शिकायतकर्ता से 40 हजार रुपए की पहली किस्त लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया।

जिला प्रशासन और निगम टीम ने की रिमूवल कार्रवाई, 50 झोपड़े 15 शेड, 3 मकान हटाए

खजराना में सरकारी जमीन कराई खाली

इंदौर ● संवाददाता

शनिवार को जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम ने खजराना इलाके में रिमूवल की कार्रवाई की और सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। बताया जा रहा है ये वहीं जमीन है, जहां अस्पताल बनना था, मगर पिछले छह सालों से अस्पताल सिर्फ कागजों पर था।

निगम कमिश्नर क्षितिज सिंगल के निर्देश पर नगर निगम ने जिला प्रशासन के साथ शासकीय जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने की दिशा में खजराना स्थित नारशाह वाली दरगाह के सामने कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान निगम के अमले ने लगभग 50 झोपड़े, 15 शेड, 8 दुकानें और 3 अवैध मकानों को हटाने की कार्रवाई की। बता दे कि यहां पिछले काफी वक्त से अतिक्रमण किया हुआ था। कार्रवाई करने के लिए नगर निगम का अमला दल बल के साथ यहां पहुंचा था। जिसके बाद यहां पर जेसीबी और पोकलेन मशीनों से अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान बड़ी

संख्या में पुलिस बल भी यहां तैनात किया गया था। कार्रवाई के दौरान नगर निगम सहित जिला प्रशासन के अधिकारी भी यहां मौजूद रहे। बता दे कि नगर निगम की टीम ने यहां झोपड़ों, शेड, दुकानों और मकानों पर कार्रवाई करते हुए जमीन को अतिक्रमण मुक्त किया। पिछले काफी वक्त से सरकारी जमीन पर कब्जा था, जिसे शनिवार को हटाया गया। कार्रवाई के पहले लोगों ने अपना सामान भी हटाया।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह का फूंका पुतला

मूंग खरीद और खाद समस्या को लेकर किसान कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

संवाददाता ● मुरैना

मूंग की 100 प्रतिशत सरकारी खरीदी, खाद के लिए लागू ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करने, किसानों को समय पर नहर का पानी उपलब्ध कराने और अन्य किसान हितैषी मांगों को लेकर शनिवार को मुरैना जिले में किसान कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश किसान कांग्रेस के आह्वान पर जिले के कई ब्लॉकों में मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का पुतला दहन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई।

प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर जिलेभर में प्रदर्शन

मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौहान के निर्देश पर किसान कांग्रेस के जिला नेतृत्व ने जिलेभर में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए। रामपुर, जौरा, कैलारस, पोरसा सहित विभिन्न ब्लॉकों में ब्लॉक अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं ने किसानों की मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

पुरानी कलेक्ट्रेट परिसर में हुआ मुख्य प्रदर्शन

जिला मुख्यालय मुरैना के पुरानी कलेक्ट्रेट परिसर में किसान कांग्रेस दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष इरसाद इकबाल शाह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री का पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान सरकार के खिलाफ नारे लगाए गए और किसान हितों की अनदेखी का आरोप लगाया गया।

पुलिस से हुई नोकझोंक

पुतला दहन के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान कुछ देर तक पुलिस और किसान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच नोकझोंक भी हुई। हालांकि, विरोध के बीच कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन कर अपना प्रदर्शन जारी रखा।

इन मांगों को लेकर जताया विरोध

किसान कांग्रेस ने मांग की कि प्रदेश में मूंग की 100 प्रतिशत सरकारी खरीदी सुनिश्चित की जाए। खाद वितरण के लिए लागू ई-टोकन व्यवस्था को समाप्त किया जाए ताकि किसानों को समय पर खाद मिल सके। इसके साथ ही किसानों को सिंचाई के लिए समय पर नहर का पानी उपलब्ध कराया जाए और बटाईदार किसानों के लिए भी खाद की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप

किसान कांग्रेस दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष इरसाद इकबाल शाह ने आरोप लगाया कि प्रदेश के किसान अपनी मेहनत से उगाई गई उपज औने-पौने दामों पर बेचने को मजबूर हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने कहा कि यदि किसानों की मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

रायसेन में पीएम आवास किस्त और पट्टे वितरित

305 हितग्राहियों को मिली पहली किस्त, 315 परिवारों को मिले मालिकाना हक

संवाददाता ● रायसेन

रायसेन शहर के सागर-भोपाल तिराहा स्थित वन परिसर में शनिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 305 पात्र हितग्राहियों के बैंक खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से आवास निर्माण की पहली किस्त की राशि हस्तांतरित की गई। साथ ही वर्षों से मालिकाना हक का इंतजार कर रहे 315 परिवारों को आवासीय पट्टों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के बाद शहर की पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पांच नए पानी के टैंकरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत चयनित 305 पात्र हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए पहली किस्त की राशि सीधे उनके बैंक खातों में भेजी गई। योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के दौरान 315 परिवारों को आवासीय पट्टों का वितरण भी किया गया। लंबे समय से पट्टे का इंतजार कर रहे इन परिवारों को अब अपनी जमीन का कानूनी अधिकार मिल गया है। इससे वे अपने आवास का निर्माण नियमानुसार कर सकेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांची विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने

हितग्राहियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रत्येक पात्र गरीब परिवार को पक्का मकान और जमीन का मालिकाना हक उपलब्ध कराना है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शहर के सभी पात्र परिवारों को चरणबद्ध तरीके से आवासीय पट्टे दिए जाएंगे।

80 वर्षीय महिला की खुशी बनी आकर्षण

कार्यक्रम में एक भावुक पल उस समय देखने को मिला जब 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला लाठी के सहारे मंच पर पहुंचीं। पट्टा और आवास की पहली किस्त मिलने के बाद उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि जीवनकाल में अपनी जमीन और पक्का घर बनाने का सपना पूरा होते देख पाएंगी।

संक्षेप

मऊगंज में बाइक डिवाइडर से टकराई, युवक की मौत

मऊगंज। शनिवार दोपहर सड़क हादसे में 40 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका 12 वर्षीय चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा चाक मोड़ ओवरब्रिज के पास तब हुआ, जब एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। मृतक की पहचान पटेहरी गांव के रहने वाले नागेंद्र साकेत उर्फ लालू (40) के रूप में हुई है। वहीं घायल बच्चा सागर साकेत (12) नागेंद्र का चचेरा भाई है। दोनों लौर थाना क्षेत्र के नौढिया गांव से प्याज लेकर अपने गांव वापस लौट रहे थे। जानकारी के मुताबिक, चाक मोड़ ओवरब्रिज के पास उनकी बाइक अचानक बेकाबू हो गई और डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

रीवा के मनगवां में चक्काजाम, मुख्य मार्ग पर बैठे

रीवा। जिले के मनगवां थाना क्षेत्र के मनगवां-बस्ती मार्ग पर शनिवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। विवाद के चलते घंटों तक हंगामा होता रहा और मुख्य मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर मनगवां पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। जानकारी के अनुसार, विवाद किशन साहू तथा रामरतन गुप्ता और शंकरलाल गुप्ता पक्ष के बीच भूमि को लेकर हुआ। दोनों पक्ष संबंधित जमीन पर अपना-अपना दावा कर रहे हैं। निर्माण कार्य को लेकर शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते हंगामे में बदल गई और दोनों पक्षों के समर्थक भी मौके पर एकत्र हो गए, जिससे तनाव की स्थिति बन गई।

पति पर अश्लील वीडियो वायरल करने का आरोप

भिंड। गोहद थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति पर सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो और वीडियो वायरल कर बदनाम करने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि आरोपी पति लंबे समय से उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। विरोध करने पर उसने जान से मारने की धमकी भी दी। महिला की शिकायत पर गोहद थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गोहद कस्बे की रहने वाली 30 वर्षीय महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि उसका पति उसकी अश्लील फोटो और वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर रहा है। इससे उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है और वह मानसिक रूप से परेशान है। महिला का आरोप है कि जब उसने इसका विरोध किया तो पति ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

महाकाल मंदिर उज्जैन में दान की होगी हाईटेक जांच

15 लाख की कैरेट मीटर मशीन लगाई

संवाददाता ● उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति ने दान में मिलने वाले सोने-चांदी के आभूषणों की जांच को पूरी तरह पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अब मंदिर में आने वाले बहुमूल्य आभूषणों की शुद्धता जांचने के लिए अत्याधुनिक कैरेट मीटर मशीन 'XRF' (एक्स-रे फ्लोरेसेंस) का उपयोग किया जाएगा। इस मशीन से दान में मिले सोने-चांदी की गुणवत्ता और कैरेट का पता कुछ ही मिनटों में लगाया जा सकेगा।

सीएसआर फंड से खरीदी गई 15 लाख रुपए की मशीन

महाकाल मंदिर की उप प्रशासक एवं डिप्टी कलेक्टर सिम्मी यादव ने बताया कि मंदिर प्रबंध समिति ने सीएसआर (CSR) फंड के माध्यम से करीब 15 लाख रुपए की लागत से यह अत्याधुनिक कैरेट मीटर मशीन महाराष्ट्र से मंगवाई है। मशीन मंदिर परिसर में पहुंच चुकी है और आवश्यक तैयारियां पूरी होने के बाद सोमवार से इसका संचालन शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस पहल के साथ महाकाल मंदिर देश के उन चुनिंदा मंदिरों में शामिल हो जाएगा, जहां दान में मिलने वाले बहुमूल्य आभूषणों के परीक्षण के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

दानदाता के सामने होगी जांच, आभूषण को नहीं पहुंचेगा नुकसान

कैरेट मीटर मशीन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह किसी भी सोने या चांदी के आभूषण को काटे, घिसे या पिघलाए बिना उसकी शुद्धता, कैरेट और उसमें मौजूद अन्य धातुओं की मात्रा की सटीक जानकारी देती है। मंदिर प्रशासन के अनुसार अब जो भी श्रद्धालु सोने-चांदी के आभूषण दान करेंगे, उनकी जांच दानदाता के सामने ही की जाएगी। इससे दान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी और मंदिर के रिकॉर्ड में दर्ज होने वाली जानकारी भी पूरी तरह प्रमाणिक रहेगी।

अब तक ऐसे होती थी दान की जांच

अब तक दान में प्राप्त सोने-चांदी के आभूषणों की तीन रसीदें बनाई जाती थीं। एक रसीद के साथ आभूषणों को मंदिर के कोठार में सुरक्षित रखा जाता था। इसके बाद मंदिर की अधिकृत तीन सदस्यीय सुनार समिति आभूषणों की जांच करती थी और वही यह तय करती थी कि दान में प्राप्त धातु शुद्ध सोना या चांदी है या नहीं।

पिता एएसआई, देवास की बेटी बनी सब इंस्पेक्टर

देवास। अंशिका प्रजापति का चयन सब इंस्पेक्टर पद पर हुआ है। उनके पिता किशोर प्रजापति अवंतीपुर बड़ोदिया में एएसआई के पद पर पदस्थ हैं। अंशिका ने अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए यह सफलता हासिल की है। अंशिका पिछले कई वर्षों से स्वयं एमपीपीएससी की तैयारी कर रही थीं। उन्होंने एक बार इंटरव्यू दिया और दो बार मुख्य परीक्षा में भी शामिल हुईं, लेकिन कुछ अंकों से चयन नहीं हो पाया। पिता की सलाह पर उन्होंने अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू की। सब इंस्पेक्टर भर्ती का फॉर्म भरने के बाद पहले ही प्रयास में उनका चयन हो गया। हालांकि, उनका अंतिम लक्ष्य डिप्टी कलेक्टर बनना है। अंशिका ने बताया कि वह प्रतिदिन 6 से 7 घंटे पढ़ाई करती थीं।

सच के जितने नजदीक पहुंचा जा सके, वही न्याय है

गुना। एक जज के लिए कनविक्शन और एक्वाइटल ज्यादा मायने नहीं रखता, मायने रखता है कि क्या हम न्याय कर पाए। न्याय की परिभाषा हमे किसी किताब में मिलेगी नहीं। सच के जितने ज्यादा नजदीक पहुंचा जा सके, वही न्याय है। यह बात मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ग्वालियर बेंच के प्रशासनिक जज जस्टिस जीएस अहलूवालिया ने गुना में आयोजित डिजिटल रिकॉर्ड रूम मैनेजमेंट सिस्टम की शुरुआत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कही। कार्यक्रम में पोर्टफोलियो जज जस्टिस अनुराधा शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। वहीं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमिताभ मिश्र, कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, SP हितिका वासल, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भूपनारायण सोलंकी, सचिव श्यामसुंदर लिटौरिया मंचसीन रहे।

सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर की थीं

हटा में अवैध हथियारों के साथ 9 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता ● दमोह

हटा थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई का खुलासा शनिवार दोपहर को दमोह एसपी आनंद कलादगी ने किया। आरोपियों के पास से तीन पिस्टल, दो देसी कट्टे और नौ जिंदा कारतूस मिले। कोर्ट में पेश करने के बाद पुलिस ने आरोपियों को रिमांड पर लिया है।

एसपी आनंद कलादगी ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से इन बदमाशों के बारे में सूचना मिली थी। इसके साथ ही आरोपियों ने अवैध हथियारों के साथ सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें भी शेयर की थीं। इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर तलाश शुरू की और एक-एक कर सभी नौ आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पूछताछ में पता चला है कि इन आरोपियों ने सिर्फ इलाके में दहशत फैलाने के मकसद से ये हथियार खरीदे थे। पकड़े गए आरोपियों में से कुछ कॉलेज की पढ़ाई भी कर चुके हैं और फिलहाल इनका कोई पुराना क्रिमिनल रिकॉर्ड सामने नहीं आया है।

अलग-अलग जिलों के रहने वाले हैं आरोपी

पकड़े गए आरोपी जबलपुर, कटनी, पन्ना और दमोह जिले के रहने वाले हैं। इनमें जबलपुर के महाराजपुर आधारताल निवासी यश अहिरवार (20), कटनी के चंद्रपुरा निवासी जीवन वंशकार (20), हटा निवासी निखिल साहू, अनुज चक्रवर्ती, दीपक सिंह लोधी, जसवंत वर्मन, पन्ना के इमलिया निवासी जय हिंद यादव, कटनी के नन्हे रायपुर निवासी आशीष लोधी और दमोह के कुमारी निवासी दिनेश यादव शामिल हैं। इस मामले में तीन मुख्य आरोपी सत्यम रैकवार, उत्कर्ष साहू और अरविंद विश्वकर्मा अभी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस टीमें जुटी हैं। उनकी गिरफ्तारी के बाद ही साफ हो सकेगा कि ये हथियार कहां से लाए गए थे।

भाजपा-नेता की संस्था से 3 साल में 5 नाबालिग लापता

संवाददाता ● इटारसी

नर्मदापुरम जिले के इटारसी से एक भाजपा नेता के बालिका गृह से तीन साल में पांच नाबालिग लड़कियों के लापता होने का मामला सामने आया है। मामले में शुक्रवार रात इटारसी थाने में गुमशुदगी और अपहरण की पांच अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई है। घटना सामने आने के बाद बालिका गृह के संचालन और एफआईआर दर्ज कराने में हुई देरी को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

संस्था की केयर टेकर रानी सिंह राजपूत ने पुलिस को आवेदन दिया है। इसके अनुसार, तीन साल के दौरान इस बालिका गृह से अलग-अलग समय पर लड़कियां गायब हुई हैं। कानूनी प्रावधानों के मुताबिक, किसी भी नाबालिग के लापता होने की सूचना मिलने पर पुलिस को तुरंत अपहरण का मामला दर्ज कर कार्रवाई करना चाहिए, लेकिन 1 से 2 साल बीत जाने के बाद एफआईआर दर्ज की गई है, जिससे प्रशासनिक प्रक्रिया पर गंभीर सवाल

उठ रहे हैं।

भाजपा नेता की संस्था, संचालक खुद पॉक्सो मामलों में सपोर्ट पर्सन

इस बालिका गृह का संचालन मनीष ठाकुर करते हैं, जो भाजपा से जुड़े हैं। इनकी पत्नी नगर पालिका में सभापति हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि संस्था संचालक मनीष ठाकुर महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से पॉक्सो एक्ट (POCSO Act) से जुड़े मामलों में सपोर्ट पर्सन के रूप में भी नियुक्त हैं। उनकी जिम्मेदारी नाबालिग पीड़ितों को कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया के दौरान सहयोग देना है, लेकिन उनकी अपनी संस्था से ही बच्चियां सुरक्षित नहीं रहीं।

एफआईआर में देरी पर संस्था और पुलिस के अलग-अलग दावे

वहीं थाना प्रभारी सौरभ पांडे का कहना है- मैंने करीब एक महीने पहले ही इटारसी थाना जॉइन किया है। मिसिंग की शिकायत शुक्रवार रात प्राप्त हुई, जिसके बाद तत्काल एफआईआर दर्ज की गई। पूर्व में शिकायत दी गई थी या नहीं, इसकी जानकारी मुझे नहीं है।

जंगली जानवरों के लिए बिछाया करंट, युवक मृत

संवाददाता ● जबलपुर

जंगली सूअरों से फसल बचाने के लिए एक किसान ने खेत के चारों ओर अवैध रूप से बिजली का करंट प्रवाहित कर रखा था, ताकि खेत में घुसने वाले जानवर करंट की चपेट में आ जाएं। शनिवार को इसी करंट की चपेट में आने से 40 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई।

घटना जबलपुर के बेलखेड़ा थाना क्षेत्र की है। दोपहर में ग्रामीणों ने खेत के बीच शव पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर खेत मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, प्रदीप पटेल जंगली जानवरों को खेत में घुसने से रोकने के लिए चारों ओर नंगे बिजली के तार बिछाकर उनमें करंट प्रवाहित करता था। शनिवार को पप्पू पटेल अनजाने में खेत के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान वे करंट प्रवाहित तार की चपेट में आ गए। करंट का झटका इतना तेज था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों का आरोप है कि खेत में लंबे समय से सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर बिजली के तारों का इस्तेमाल किया जा रहा था। हादसे के बाद से आरोपी फरार बताया जा रहा है। बेलखेड़ा थाना पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

साथ में बैठकर शराब पीने के दौरान हुआ था विवाद, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

जबलपुर में दोस्त की लाठी से पीट-पीटकर हत्या

संवाददाता ● जबलपुर

जबलपुर के भेड़ाघाट थाना क्षेत्र के बरखेड़ा गांव में शराब पीने के दौरान हुए विवाद ने एक युवक की जान ले ली। पहले दोनों दोस्तों ने साथ बैठकर शराब पी, लेकिन कुछ ही देर बाद कहासुनी इतनी बढ़ गई कि एक युवक ने दूसरे पर लाठी से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई।

घटना शुक्रवार शाम की है। पुलिस ने आरोपी को घटना के कुछ घंटों के भीतर ही हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान बृजेश पटेल निवासी बरखेड़ा (थाना भेड़ाघाट) के रूप में हुई है। वहीं आरोपी राजा चौबे है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार शाम बृजेश पटेल और राजा चौबे गांव के पास बैठकर शराब पी रहे थे। करीब आधे घंटे तक दोनों साथ रहे। इसी दौरान नशे की हालत में दोनों के बीच गाली-गलौज शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि राजा चौबे ने पहले बृजेश को धक्का दिया और फिर पास में पड़ी लाठी उठाकर उस पर

बृजेश पटेल, मृतक

ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल बृजेश को मौके पर छोड़कर आरोपी फरार हो गया।

पुलिस ने मेडिकल कॉलेज भेजा

वहां से गुजर रहे ग्रामीणों ने बृजेश को खून से लथपथ हालत में देखा और तत्काल भेड़ाघाट थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सीएसपी अंजुल आयुक्त मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायल को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया। ग्रामीणों से पूछताछ में राजा चौबे का नाम सामने आने पर पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी। सीएसपी ने बताया कि शनिवार सुबह इलाज के दौरान बृजेश पटेल की मौत हो गई। इसके बाद आरोपी राजा चौबे के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया। हालांकि, पुलिस ने आरोपी को देर रात ही हिरासत में ले लिया था।

ग्रामीणों ने अवैध शराब बिक्री पर उठाए सवाल

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि गांव में लंबे समय से अवैध शराब की बिक्री हो रही है, जिसके कारण आए दिन विवाद की स्थिति बनती रहती है। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए सीएसपी ने भेड़ाघाट थाना पुलिस को निर्देश दिए हैं कि अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

ISOI कॉन्फ्रेंस में एक्सपर्ट्स का दावा; अब मेडिकल टूरिज्म को भी मिलेगा बढ़ावा

विदेशों जैसा डेंटल इलाज अब भारत में

इंदौर ● संवाददाता

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में भारत तेजी से वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। आधुनिक डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और एडवांस्ड इंप्लांट सिस्टम की बदौलत अब मरीजों को विश्वस्तरीय डेंटल इंप्लांट इलाज के लिए विदेश जाने की आवश्यकता नहीं रह गई है। यही संदेश इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरल इम्प्लांटोलॉजिस्ट (ISOI) की मिड टर्म कॉन्फ्रेंस एवं प्रथम पीजी कन्वेंशन के दूसरे दिन एक्सपर्टस ने दिया।

इंदौर में आयोजित तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन एक्सपर्टस ने बताया कि नई डेंटल तकनीकें अब भारत में लगभग उसी समय उपलब्ध हो जाती हैं, जब वे दुनिया के अन्य विकसित देशों में लॉन्च होती हैं। इसका लाभ मरीजों को बेहतर, सुरक्षित और किफायती इलाज के रूप में मिल रहा है। कॉन्फ्रेंस का औपचारिक उद्घाटन कमिश्नर डॉ. सुदाम खाडे ने किया। इस अवसर पर ISOI के नेशनल प्रेसिडेंट डॉ. शरद शेट्टी और सेक्रेटरी डॉ. रिकीन गोगरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। आयोजन में देशभर से 350 से अधिक प्रतिनिधि और 20 से ज्यादा एक्सपर्टस स्पीकर्स शामिल हुए।

भारत में बढ़ रही मेडिकल टूरिज्म की संभावनाएं

मुख्य अतिथि डॉ. सुदाम खाडे ने कहा कि भारत में दंत चिकित्सा उपचार विकसित देशों की तुलना में काफी किफायती है, जबकि गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि ओरल हेल्थ के प्रति जागरूकता बढ़ने से डेंटल और मेडिकल टूरिज्म को भी नई गति मिलेगी और विदेशी मरीजों का भारत की ओर आकर्षण बढ़ेगा।

40 वर्षों से डॉक्टरों को नई तकनीकों से जोड़ रही ISOI

ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. गगन जायसवाल ने बताया कि ISOI पिछले चार दशकों से देशभर के दंत चिकित्सकों को नवीनतम तकनीकों और शोध से अवगत करा रही है। ऐसे आयोजनों से युवा डॉक्टरों और पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थियों को आधुनिक उपचार पद्धतियों को सीखने का अवसर मिलता है। ट्रेजरार डॉ. राजीव श्रीवास्तव ने कहा कि डेंटल इंप्लांट ने दंत चिकित्सा में क्रांतिकारी बदलाव लाया है और यह प्राकृतिक दांतों का प्रभावी विकल्प बनकर उभरा है। यही कारण है कि इस क्षेत्र के प्रति डॉक्टरों और विद्यार्थियों दोनों का रुझान लगातार बढ़ रहा है।

एआई से बढ़ी इंप्लांट की सटीकता

आईएसओआई के नेशनल प्रेसिडेंट डॉ. शरद शेट्टी ने बताया कि अब इंप्लांट लगाने से पहले डिजिटल स्कैनिंग और एआई आधारित प्लानिंग की जाती है। कंप्यूटर पर जबड़े का विस्तृत विश्लेषण कर यह तय किया जाता है कि इंप्लांट किस स्थान और कोण पर लगाया जाएगा। इससे इलाज अधिक सटीक होता है, जटिलताओं की संभावना घटती है और मरीजों को बेहतर परिणाम मिलते हैं।

स्वस्थ मुस्कान के लिए अच्छी आदतें भी जरूरी

ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. मनीष वर्मा ने कहा कि आधुनिक उपचार के साथ-साथ सही जीवनशैली और मौखिक स्वच्छता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। दिन में दो बार ब्रश करना, सही ब्रशिंग तकनीक अपनाना, माउथवॉश का उपयोग और तंबाकू से दूरी जैसी आदतें दांतों और मसूड़ों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करती हैं। साइंटिफिक चेयरपर्सन डॉ. शालीन खेत्रपाल और डॉ. दीपक अग्रवाल ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में एडवांस्ड इंप्लांट सिस्टम और अत्याधुनिक डेंटल उपकरणों का लाइव डेमोंस्ट्रेशन भी किया जा रहा है, ताकि डॉक्टर नई तकनीकों को व्यावहारिक रुप से समझ सकें।

संक्षेप

पुलिया का काम शुरू नहीं करने पर एजेंसी को फटकारा

इंदौर। नगर निगम रोड बनाने के काम तेजी से हो इसके लिए लगातार कोशिश कर रही है। शनिवार को भमोरी प्लाजा से एरोप्लेन चौराहे तक एमआर-10 व सांवेर रोड इंडस्ट्रीयल एरिया व एमआर-5 सुपर कॉरिडोर से पीएमवाय तक बन रही रोड का काम नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने देखा। निगम कमिश्नर ने भमोरी रोज पर पुलिया बनाने का काम शुरू नहीं करने पर एजेंसी को जमकर फटकार लगाई और पुलिस का काम शुरू करने के लिए कहा। साथ ही रोड बनाने का काम भी धीमी गति से चलने पर कंसल्टेंट व रोड बनाने वाली एजेंसी के प्रतिनिधि पर नाराजगी जताई और काम को तेजी से करने को कहा। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि काम की गति नहीं बढ़ाने पर संबंधित एजेंसी पर प्रतिदिन के आधार पर पेनल्टी लगाई जाए।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन वर्कशॉप का आयोजन

इंदौर। विदेशों की स्वच्छता और व्यवस्थाओं की सराहना करने वाले भारतीय अक्सर अपनी ही सांस्कृतिक विरासत को भूल जाते हैं। भारत की मूल परंपरा कभी कचरा पैदा करने की नहीं रही। वर्ष 1970 तक देश में न डंपिंग साइट थीं और न ही कचरा प्रबंधन के लिए बड़े नियम-कायदे, क्योंकि हमारा समाज पुनः उपयोग (री-यूज) और वस्तु विनिमय (बार्टर सिस्टम) की संस्कृति पर आधारित था। यह बात फीडबैक फाउंडेशन के सीईओ अजय सिन्हा ने शनिवार को इंदौर सिटी बस ऑफिस में आयोजित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन संबंधी विशेष वर्कशॉप में कही। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत आयोजित इस कार्यशाला की अध्यक्षता महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने की।

न्याय की मांग लेकर सड़क पर उतरे डाक विभाग के कर्मचारी

उर्मिला हत्याकांड : आरोपी की गिरफ्तारी न होने से नाराज परिजन

इंदौर ● संवाददाता

चर्चित उर्मिला सैनी हत्याकांड में आठ दिन बीत जाने के बावजूद आरोपी पति अखिलेश सैनी की गिरफ्तारी नहीं होने से परिजनों, रहवासियों और डाक विभाग के कर्मचारियों का आक्रोश शनिवार को सड़क पर दिखाई दिया। बड़ी संख्या में लोग रैली निकालकर पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचे और जल्द गिरफ्तारी की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान मृतका की बेटी प्रेक्षा भी लोगों के साथ मौजूद रही। उसने भी पिता की गिरफ्तारी की मांग करते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया। पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह के बैठक में होने के कारण प्रदर्शनकारियों ने एसीपी निधि दंडोतिया को ज्ञापन सौंपा और कहा कि घटना को एक सप्ताह से अधिक समय गुजर चुका है, लेकिन आरोपी अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर है।

मासूम के सपने में नजर आता है मां की हत्या का खूनी मंजर

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि उर्मिला के सात वर्षीय बेटे अव्यक्त की मानसिक स्थिति को लेकर परिवार बेहद चिंतित है। फिलहाल वह अपने नाना-नानी के पास खंडवा में रह रहा है। परिजनों के अनुसार अव्यक्त अब भी घटना के सदमे से बाहर नहीं निकल पाया है। वह अक्सर रात में चौंककर उठ जाता है और मां की हत्या का खूनी दृश्य याद कर रोने लगता है। एक्सपर्ट्स पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि इस तरह की भयावह घटनाएं बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा और दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ सकती हैं। ऐसे में परिवार और मनोवैज्ञानिक सहयोग दोनों की आवश्यकता होगी।

पुलिस ने जल्द गिरफ्तारी का दिया भरोसा

एसीपी निधि दंडोतिया ने प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त किया कि आरोपी की तलाश के लिए कई टीमें लगातार काम कर रही हैं और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस कमिश्नर कार्यालय से निकलने के बाद परिजन, रहवासी और डाक विभाग के कर्मचारी सांसद शंकर लालवानी के निवास पहुंचे। यहां उन्होंने आरोपी की गिरफ्तारी में हो रही देरी को लेकर चिंता जताई। सांसद ने मौके पर ही पुलिस कमिश्नर से मोबाइल पर चर्चा की और उपस्थित लोगों को भरोसा दिलाया कि पुलिस जल्द ही आरोपी तक पहुंच जाएगी।

एक परिवार की त्रासदी, दो मासूमों का संघर्ष

मां की हत्या और पिता के फरार होने के बाद प्रेक्षा और अव्यक्त की जिंदगी पूरी तरह बदल चुकी है। एक ओर परिवार न्याय की मांग कर रहा है, वहीं दूसरी ओर दोनों बच्चों के सामने उस दर्दनाक घटना की यादों से उबरकर सामान्य जीवन में लौटने की चुनौती खड़ी है। आरोपी की गिरफ्तारी की मांग के साथ अब लोगों की चिंता इन मासूम बच्चों के भविष्य और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी बढ़ती जा रही है।

पूछताछ के आधार पर घटना का खुलासा किया

शुरुआती जांच में ही पुलिस को राजू के सिर पर चोट के गहरे निशान मिले थे, जिससे मर्डर का शक पुख्ता हो गया था। बड़गोंदा थाना पुलिस ने लोकेशन और कॉल डिटेल, पूछताछ के आधार पर घटना का खुलासा किया।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर की पति की हत्या

महू। बड़गोंदा थाना क्षेत्र में एक मजदूर की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। शनिवार को खुलासा हुआ है कि युवक की पत्नी ने ही अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतारा था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। युवक की पहचान मंडलेश्वर के रहने वाले 46 वर्षीय राजू बामनिया के रूप में हुई थी। राजू की पत्नी आशापुरा के पास निसर्ग परिसर में एक निर्माणाधीन फार्म हाउस पर मजदूरी का काम करती थी। इसी दौरान वहां काम करने वाले एक अन्य मजदूर से उसके प्रेम संबंध बन गए थे।

पुलिस के मुताबिक, गुरुवार को राजू अपनी पत्नी और उसके प्रेमी के बीच आ रहा था। इसी वजह से दोनों ने मिलकर राजू को रास्ते से हटाने का मन बना लिया। घटना की रात जब राजू मंडलेश्वर से अपनी पत्नी के पास फार्म हाउस पहुंचा, तो वहां उसकी पत्नी और प्रेमी पहले से मौजूद थे। तीनों ने एक साथ बैठकर शराब पी। इसी बीच योजना के तहत विवाद शुरू हुआ और प्रेमी ने राजू के सिर, कनपटी और चेहरे पर लोहे के सरिए से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

हादसे का रूप देने की कोशिश हुई नाकाम

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने इस हत्या को सामान्य दिखाने की कोशिश की। अगले दिन भी उन्होंने शराब पी और राजू को फार्म हाउस के पास एक नीम के पेड़ के नीचे फेंक दिया। दोपहर में जब बच्चों ने राजू को बेसुध हालत में देखा, तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस राजू को तुरंत अस्पताल ले गई।

भगवान श्रीकृष्ण पर टिप्पणी को लेकर विरोध

भय्यू महाराज की पत्नी ने मौलाना के खिलाफ FIR की मांग की

इंदौर ● संवाददाता

भैय्यू महाराज की पत्नी डॉ. आयुषी देशमुख ने भगवान श्रीकृष्ण पर की गई अमर्यादित टिप्पणी को लेकर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने संबंधित मौलाना के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए एक आवेदन भी दिया।

इंदौर में भैय्यू महाराज की पत्नी आयुषी ने भगवान श्रीकृष्ण को लेकर एक मौलाना के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म या आराध्य का अपमान स्वीकार नहीं किया जा सकता। आयुषी देशमुख ने कहा कि जिस व्यक्ति ने यह बयान दिया है, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह अपनी संस्था के माध्यम से संबंधित मौलाना के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए आवेदन देंगी।

धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं होगा

आयुषी ने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति हिंदू धर्म या भगवानों के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करेगा तो उसका विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसा कानून बनाना चाहिए जिससे किसी भी धर्म के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई हो। उन्होंने इस दौरान कुछ बेहद कठोर दंड की भी मांग की।

वकीलों ने भी किया विरोध

उधर, इंदौर के वकीलों में भी इस मामले को लेकर काफी रोष है। एडवोकेट दिलीप नागर, शैलेंद्र सिंह बैस, शुभम सुनहरे, सुनील डावर, कुलदीप नागर, शुभम राजपूत सहित अन्य ने शुक्रवार देर शाम पलासिया टीआई के नाम ज्ञापन सौंपा और मौलाना के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की।

यह है पूरा मामला

दरअसल उत्तर प्रदेश के इटावा निवासी मौलाना जरजिस अंसारी का एक वीडियो सोशल मीडिया और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यह बयान सनातन धर्म की आस्थाओं के विपरीत, भ्रामक और करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला है। शिकायती आवेदनों में यह भी कहा गया है कि इस प्रकार की टिप्पणी से सामाजिक तनाव और विभिन्न समुदायों के बीच वैमनस्य की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसी आधार पर मौलाना के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने से संबंधित प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

नि:शुल्क कोचिंग हेतु आवेदन आमंत्रित

इन्दौर। शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग प्री-कम-मेन्स परीक्षा 2027 की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग संचालित की जा रही है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से प्रशिक्षण में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रशिक्षण केन्द्र की सहायक आयुक्त एवं प्राचार्य श्रीमती आशा चौहान ने बताया कि पात्र अभ्यर्थी प्रशिक्षण केन्द्र से आवेदन पत्र प्राप्त कर उसे पूर्ण रूप से भरकर आवश्यक दस्तावेजों सहित शीघ्र संस्थान में जमा करें तथा निःशुल्क कोचिंग का लाभ प्राप्त करें। लोक सेवा आयोग प्री-कम-मेन्स परीक्षा 2027 की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग हेतु प्रवेश के लिए आवेदक का मध्यप्रदेश का अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति वर्ग का निवासी होना आवश्यक है।

भोपाल में कल होगा लेजर एवं एस्थेटिक डर्मेटोलॉजी समिट

भोपाल ● संवाददाता

इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट्स, वेनेरियोलॉजिस्ट्स एंड लेप्रोलॉजिस्ट्स (आईएडीवीएल) तथा भोपाल डर्मेटोलॉजी सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 19 जुलाई 2026 को शहर में 'भोपाल लेजर एवं एस्थेटिक डर्मेटोलॉजी समिट' का आयोजन किया जाएगा। इस एक दिवसीय वैज्ञानिक सम्मेलन में मध्य प्रदेश सहित मध्य भारत के विभिन्न शहरों से 200 से अधिक चर्म रोग विशेषज्ञ भाग लेंगे। आयोजन समिति के कॉन्फ्रेंस प्रेसिडेंट डॉ. नीरज राय, ऑर्गेनाइजिंग चेयरपर्सन एवं आईएडीवीएल मध्यप्रदेश के अध्यक्ष डॉ. नितिन पंड्या तथा ऑर्गेनाइजिंग को-चेयरपर्सन डॉ. अनिमेष सक्सेना ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य चर्म रोगों के उपचार में अत्याधुनिक लेजर तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर विशेषज्ञों के बीच विचार-विमर्श करना तथा युवा त्वचा रोग विशेषज्ञों को आधुनिक लेजर एवं एस्थेटिक प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में देश के प्रसिद्ध चर्म रोग विशेषज्ञ एवं मास्टर ट्रेनर डॉ. अविटस जॉन विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उनके मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को नवीनतम लेजर तकनीकों, त्वचा पुनर्जीवन, मुंहासों के दाग, पिग्मेंटेशन, लेजर हेयर रिडक्शन तथा सुरक्षित उपचार पद्धतियों पर व्याख्यान एवं लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

काम करने गई टीम पर तलवार से वार, पथराव कर गाड़ियों के कांच फोड़े; 3 पर केस

रसकुंडिया जंगल में वन विभाग की टीम पर हमला

इंदौर ● संवाददाता

चोरल रेंज के ग्राम रसकुंडिया के जंगल में शनिवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब शासकीय कार्य करने पहुंची वन विभाग की टीम पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। अतिक्रमण संभावित क्षेत्र में जल संरचना और कंटूर निर्माण का काम रोकने पहुंचे आरोपियों ने न सिर्फ वन विभाग के अमले पर पथराव किया, बल्कि तलवार और फालिये से भी हमला कर दिया।

इस झड़प में एक वनरक्षक के हाथ की कलाई पर तलवार का हत्था लगने से वह घायल हो गया। उसे इलाज के लिए मध्यभारत अस्पताल भेजा गया। आरोपियों ने जेसीबी और वन विभाग की एम्बुलेंस पर भी पथराव किया, जिससे वाहनों को नुकसान पहुंचा। घटना के बाद सिमरोल थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। सिमरोल पुलिस के मुताबिक, वनपाल दर्शन सिंह परमार की शिकायत पर पवन पिता प्रेमसिंह भील, अनोखीलाल पिता प्रेमसिंह भील और प्रेमसिंह पिता पूनमचंद भील के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वनपाल ने बताया कि वे जंगल में शासकीय कार्य कराने पहुंचे थे। उनके साथ विभाग का अन्य स्टाफ भी मौजूद था। इसी दौरान प्रेमसिंह और उसके दोनों बेटे तलवार और फालिया लेकर पहुंचे तथा कर्मचारियों से गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने पथराव शुरू कर दिया और शासकीय कार्य रुकवा दिया। आरोपियों ने दोनों जेसीबी और वन विभाग की एम्बुलेंस के कांच भी फोड़ दिए।

घटना के दौरान अनोखीलाल के पास फालिया और पवन के पास तलवार थी। पवन ने वनरक्षक आनंद कुमार सिंह के साथ हाथापाई शुरू कर दी। इस हाथापाई में तलवार का हत्था आनंद कुमार के हाथ की कलाई पर लगा, जिससे आनंद कुमार सिंह को चोट लग गई और वह घायल हो गया। जैसे तैसे वन विभाग के कर्मचारियों ने आनंद कुमार को पवन से छुड़वाया। तीनों ने धमकी दी कि आज के बाद इस जगह पर कुछ भी काम करने लिए आए तो जान से खत्म कर देंगे।

वीडियो भी आया सामने

इधर, जंगल में हुई इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें आरोपी हाथों में हथियार लिए नजर आ रहे हैं और काम को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। इधर, घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले में तीन लोगों को पर केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

संपादकीय

वांगचुक सरकार की निगरानी में, भूत बनकर लौटने की चेतावनी

शिक्षामित्र और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सरकार ने शनिवार की सुबह जंतर मंतर के धरना स्थल से सरकारी निगरानी में ले लिया है। दिल्ली पुलिस का कहना है, कि दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश का पालन करते हुए उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सरकार ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। वांगचुक ने 20 जुलाई को संसद चलो मार्च का आह्वान किया था। सोनम वांगचुक ने यह भी कहा था, कि यदि लोग उनका साथ नहीं देंगे तो वह मरने के बाद भूत बनकर जो लड़ाई उन्होंने शुरू की है उसको लड़ने के लिए वापस आएंगे। इसके बाद से दिल्ली के जंतर मंतर में सरगर्मी बढ़ी। 20 जुलाई से मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। सरकार ने गंभीरता को समझते हुए जंतर मंतर से आंदोलन खत्म कराने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं। दिल्ली पुलिस कमिश्नर को रातों-रात बदल दिया गया है। शिक्षा मंत्री के स्तीफे और पेपर लीक मामले को लेकर चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी के इस आंदोलन में सोनम वांगचुक का अनशन खत्म करने के लिए सभी विपक्षी दलों और फिल्मी जगत की हस्तियों ने धरना स्थल पर पहुंचकर जिस तरह का समर्थन दिया उससे सरकार की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। मानसून सत्र के दौरान इस तरह के आंदोलन जिसमें आंदोलनकारी संसद में प्रदर्शन करने की मांग पर अड़ गए हैं, विपक्ष भी इस मुद्दे पर एक साथ आ गया है, जिसके कारण सरकार की चिंता बहुत बढ़ गई है। सरकार ने जिस तरह से सोनम वांगचुक को धरना स्थल से हटाया है, उसकी आंदोलनकारियों के बीच में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कल देहरादून में छात्रों के साथ संवाद किया। यह कार्यक्रम भी पूरी तरह से सफल रहा। भारी बारिश के बीच लाखों की संख्या में छात्र वहां पहुंचे। उन्होंने अपने दुख- दर्द को सुनाया। कोटा में भी राहुल गांधी के छात्र संवाद को काफी सफल माना गया था। जेन-जी के बीच में जिस तरह से राहुल गांधी की लोकप्रियता बढ़ रही है, उससे सरकार का चिंतित होना स्वाभाविक है। यह भी कहा जा रहा है, राहुल गांधी से इस मुद्दे को छीनने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी का जो आंदोलन जंतर मंतर में शुरू कराया गया था उसको वह सफलता नहीं मिली जिस सफलता की आशा सरकार कर रही थी। कॉकरोच जनता पार्टी ने भी सरकार के बजाय जिस तरह से विपक्ष को निशाने पर लिया था उसके कारण कॉकरोच पार्टी का यह आंदोलन फ्लॉप होने की दिशा में बढ़ रहा था। इसी बीच कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों ने सोनम वांगचुक को समर्थन देकर एक ऐसी चाल चली जिससे कॉकरोच पार्टी निशाने पर आ गई। अब सरकार ने जब सोनम वांगचुक को दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को आधार बनाकर अपनी निगरानी में जबरिया ले लिया है, इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देश भर में हो सकती है। 20 जुलाई से संसद का मानसून सत्र भी शुरू होने जा रहा है, जिसने सरकार की परेशानी को और बढ़ा दिया है। शनिवार को जंतर मंतर में एक बार फिर भीड़ बढ़ने लगी। 20 जुलाई को संसद मार्च की तैयारी में आंदोलनकारी फिर एकजुट होने लगे हैं। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा और पेपर लीक मामले में जिस तरह से युवा एकजुट हो रहे हैं, कई राज्यों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और आंदोलन हो रहे हैं। सरकार ने अभी तक आंदोलनकारियो से कोई बात नहीं की है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा को लेकर भी सरकार ने चुप्पी साध रखी है। ऐसी स्थिति में जेन-जी युवा उद्वेलित होकर आक्रामक हो रहे हैं। सरकार को एक साथ कई मोर्चों पर लड़ना पड़ रहा है।

मानसून सत्र में सरकार परिसीमन बिल को हर हालत में पास करना चाहती है। पिछले दो महीने से संसद में दो तिहाई बहुमत सरकार के पास हो इसके लिए बड़े पैमाने पर कई राज्यों के सांसदों को उनकी पार्टी से तोड़कर एनडीए के पक्ष में लाया गया है। लेकिन इसमें दल-बदल कानून भी बड़ी बाधा बन रहा है। इसी बीच ईरान- अमेरिका युद्ध के कारण कच्चे तेल, एलपीजी गैस एवं खाद इत्यादि की चुनौतियां सरकार के लिए बढ़ रही हैं। ई-20 पेट्रोल को लेकर भी लोगों में नाराजी देखने को मिल रही है। राम मंदिर के दान और चढ़ावा चोरी को लेकर भी सरकार के ऊपर हमले बढ़ते चले जा रहे हैं। सरकार समझ नहीं पा रही है कि एक साथ इतनी सारी समस्याओं और हमलो का मुकाबला वह किस तरीके से करे। सोनम वांगचुक ने यह कहकर युवाओं को उद्वलित कर दिया है कि वह 20 तारीख तक जिंदा रहेंगे, यदि मर भी गए तो वह भूत बनकर आंदोलनकारियों के साथ होंगे। राजधानी दिल्ली में मानसून सत्र के दौरान सरकार को जिस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने अपने सभी दिग्गजों को इस समस्या से निपटने के लिए जिम्मेदारी दी है।

भारत में जुआ सट्टेबाजी एवं कैसीनो विनियमन, कानून बनाना जरूरी

लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी

कई राज्यों ने जुए पर पूर्ण या आंशिक प्रतिबंध लगाया है, जबकि कुछ राज्यों ने ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी पर अलग-अलग नियम बनाए हैं।आज आवश्यकता इस बात की है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर बच्चों और युवाओं की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया,ऑनलाइन गेमिंग, ऑनलाइन कसीनो और अन्य व्यसनी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर प्रभावी आयु सत्यापन, समय- सीमा, अभिभावकीय नियंत्रण तथा कठोर नियामकीय व्यवस्था लागू करें।

वैश्विक स्तरपर भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।ऐसे समय में देश के सामने केवल आर्थिक विकास की चुनौती नहीं है,बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व, कानून का प्रभावी शासन, युवाओं का भविष्य और डिजिटल युग में बदलती जीवनशैली के अनुरूप आधुनिक कानून बनाने की आवश्यकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। जुआ, कैसीनो और ऑनलाइन सट्टेबाजी इन्हीं विषयों में से एक है, जिसपर लंबे समय से देश में स्पष्ट, समग्र और आधुनिक नीति का अभाव दिखाई देता है। भारत में जुआ और कैसीनो के लिए कोई एक समान केंद्रीय (राष्ट्रीय) कानून नहीं है।

अधिकांश मामलों में अभी भी पब्लिक गेबलिंग एक्ट,1867 (जहाँ लागू है) तथा राज्यों के अपने-अपने कानून लागू होते हैं। गोवा,सिक्किम और कुछ हद तक दमन-दीव में लाइसेंस प्राप्त कैसीनो की अनुमति है, जबकि कई राज्यों में जुआ पूर्ण या आंशिक रूप से प्रतिबंधित है। इसलिए राष्ट्रीय स्तर पर एक समान मॉडल कानून की आवश्यकता की चर्चा समय-समय पर होती रही है।

इसी क्रम में गोवा सरकार ने 16 जुलाई 2026 को अधिसूचित गोवा कसीनो (संशोधन) कानून के तहत कसीनो में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष निर्धारित कर दी। इसका उद्देश्य युवाओं को जुए की लत और उसके सामाजिक- आर्थिक दुष्प्रभावों से बचाना हैवर्तमान में अधिकांश भारतीय राज्यों में कसीनो या ऑनलाइन जुए के संबंध में अलग-अलग कानून हैं, लेकिन गोवा की तरह 21 वर्ष की स्पष्ट आयु-सीमा का मॉडल सभी राज्यों में समान रूप से लागू नहीं है। कई राज्यों ने जुए पर पूर्ण या आंशिक प्रतिबंध लगाया है, जबकि कुछ राज्यों ने ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी पर अलग-अलग नियम बनाए हैं।आज आवश्यकता इस बात की है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर बच्चों और युवाओं की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया,ऑनलाइन गेमिंग, ऑनलाइन कसीनो और अन्य व्यसनी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर प्रभावी आयु सत्यापन, समय- सीमा, अभिभावकीय नियंत्रण तथा कठोर नियामकीय व्यवस्था लागू करें। यदि गोवा का 21 वर्ष आयु-सीमा मॉडल अन्य राज्यों में भी अपनाया जाता है,तो यह युवा पीढ़ी को डिजिटल और जुए की लत से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो सकता है।

16 जुलाई 2026 से गोवा सरकार द्वारा उठाए गए दो महत्वपूर्ण कदम, 21 वर्ष से कम आयु के युवाओं के कैसीनो में प्रवेश पर प्रतिबंध तथा कैसीनो उद्योग पर कर एवं नियामक व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने की पहल ने राष्ट्रीय स्तर पर एक नई बहस को जन्म दिया है। यह बहस केवल गोवा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रश्न पूरे भारत के सामने खड़ा करती है कि यदि किसी राज्य में कैसीनो या जुए की अनुमति है,तो क्या उसे सख्त कानून पारदर्शी कर व्यवस्था और सामाजिकउत्तरदायित्व के दायरे में नहीं लाया जाना चाहिए?और यदि किसी राज्य में इसकी अनुमति नहीं है,तो क्या अवैध जुआ और ऑनलाइन सट्टेबाजी पर नियंत्रण के लिए सटीकता से आधुनिक कानून नहीं बनने चाहिए?

साथियों, गोवा भारत का प्रमुख पर्यटन राज्य है,जहाँ वर्षों से लाइसेंस प्राप्त कैसीनो संचालित हो रहे हैं। देश और विदेश से आने वाले पर्यटक राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।कैसीनो उद्योग से सरकार को राजस्व प्राप्त होता है,हजारों लोगों को रोजगार मिलता है और पर्यटन क्षेत्र को गति मिलती है। किंतु दूसरी ओर जुए की लत,आर्थिक बर्बादी, पारिवारिक विवाद,मानसिक तनाव,अपराध और युवाओं पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव जैसी चिंताएँ भी सामने आती रही हैं। इसलिए गोवा सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि आर्थिक गतिविधि तभी स्वीकार्य है,जब वह सामाजिक उत्तरदायित्व और सख्त कानूनी निगरानी के साथ संचालित हो।21 वर्ष से कम आयु के युवाओं के कैसीनो में प्रवेश पर प्रतिबंध एक अत्यंत दूरदर्शी कदम माना जा सकता है। विश्वभर के मनोवैज्ञानिक और न्यूरोसाइंस विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरावस्था और प्रारंभिक युवावस्था में निर्णय लेने की क्षमता पूरी तरह परिपक्व नहीं होती। इस आयु में जोखिम उठाने की प्रवृत्ति अधिक होती है और तत्काल लाभ का आकर्षण व्यक्ति को गलत निर्णयों की ओर ले जा सकता है। यदि इस अवस्था में जुए की लत लग जाए तो उसका प्रभाव केवल आर्थिक नहीं बल्कि मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक जीवन पर भी पड़ता है। इसलिए गोवा का यह निर्णय केवल प्रवेश रोकने का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी की सुरक्षा का निर्णय है।

साथियों गोवा सरकार का दूसरा महत्वपूर्ण कदम कैसीनो उद्योग को अधिक उत्तरदायी कर व्यवस्था और नियामक ढाँचे के अंतर्गत लाने का है। किसी भी आर्थिक गतिविधि का उद्देश्य केवल लाभ कमाना नहीं होना चाहिए। यदि सरकार कर के माध्यम से प्राप्त राजस्व का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य,खेल, नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों पर करती है,तो यह व्यवस्था समाज और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है। कराधान का अर्थ केवल सरकारी आय बढ़ाना नहीं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों में सटिका से पारदर्शिता,जवाबदेही और वैधता स्थापित करना भी होता है।

साथियों,भारत में वर्तमान स्थिति काफी असमान है।गोवा सिक्किम और दमन जैसे कुछ क्षेत्रों में सीमित रूप से कैसीनो की अनुमति है, जबकि अधिकांश राज्यों में सार्वजनिक जुआ प्रतिबंधित है।इसके बावजूदऑनलाइन जुआ विदेशी बेटिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल सट्टेबाजी का तेजी से विस्तार हो रहा है। लाखों भारतीय मोबाइल फोन के माध्यम से ऐसे प्लेटफॉर्म तक पहुँच रहे हैं, जिन पर राज्य सरकारों का प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं है। इससे कर चोरी, मनी लॉन्ड्रिंग, साइबर अपराध और युवाओं में जुए की लत जैसी समस्याएँ बढ़ने की आशंका बनी रहती है। यह स्थिति स्पष्ट संकेत देती है कि केवल पुराने कानूनों के सहारे आधुनिक डिजिटल चुनौतियों का सटीकता से समाधान संभव नहीं है।

साथियों, भारत में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि जुआ और सट्टेबाजी से जुड़े अनेक कानून औपनिवेशिक काल के हैं,जबकि आज की दुनियाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता,डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन गेमिंग के युग में प्रवेश कर चुकी है। आज कोई व्यक्ति कुछ ही मिनटों में मोबाइल फोन से अंतरराष्ट्रीय बेटिंग वेबसाइट पर पैसा लगा सकता है।यदि सरकार केवल प्रतिबंध की नीति अपनाती है, तो अवैध गतिविधियाँ भूमिगत हो जाती हैं। यदि पूर्ण स्वतंत्रता देती है, तो सामाजिक नुकसान बढ़ सकता है।इसलिए आवश्यकता एक संतुलित नीति की है,जहाँ सटीकता से कानून भी हो,निगरानी भी हो और सामाजिक उत्तरदायित्व भी हो।

साथियों, मेरे विचार से भारत को अब एक मॉडल जुआ एवं कैसीनो विनियमन कानून (मॉडल गंबलिंग एंड कैसीनो रेगुलेशन लॉ) तैयार करना चाहिए। यह कानून पूरे देश पर अनिवार्य रूप से लागू न होकर राज्यों के लिए एक आदर्श मॉडल हो सकता है।प्रत्येक राज्य अपनी सामाजिक सांस्कृतिक और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार इसे अपनाने या संशोधित करने का अधिकार रखे।इससे देशभर में न्यूनतम कानूनी मानक (मिनिमम् लीगल स्टैण्डर्ड्स) स्थापित होंगे और कानूनी अस्पष्टता दूर होगी।इस मॉडल कानून का पहला सिद्धांत होना चाहिए, युवाओं की सुरक्षा सर्वोपरि। पूरे देश में 21 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति के कैसीनो या उच्च जोखिम वाले जुआ प्लेटफॉर्म तक पहुँचने पर प्रतिबंध होना चाहिए। आधार, पासपोर्ट या अन्य सरकारी पहचान-पत्र के माध्यम से डिजिटल आयु सत्यापन अनिवार्य बनाया जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों पर भारी जुर्माना, लाइसेंस रद्द करने और आपराधिक कार्रवाई का सटीकता से प्रावधान होना चाहिए।

साथियों, दूसरा महत्वपूर्ण प्रावधान जिम्मेदार जुआ (रिस्पांसिबल गेबलिंग) होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति स्वयं को जुए की लत से बचाना चाहता है,तो उसे स्वैच्छिक प्रतिबंध का अधिकार मिलना चाहिए। परिवार के सदस्यों को भी विशेष परिस्थितियों में न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से ऐसे व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगाने का अधिकार मिल सकता है।प्रत्येक कैसीनो में सटीकता से मनोवैज्ञानिक परामर्श, हेल्पलाइन चेतावनी संदेश और नशामुक्ति सहायता केंद्र अनिवार्य किए जाने चाहिए।

साथियों, तीसरा व चौथा महत्वपूर्ण पहलू पारदर्शी कर व्यवस्था है। कैसीनो उद्योग से प्राप्त राजस्व का निश्चित प्रतिशत शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, मानसिक स्वास्थ्य, नशामुक्ति अभियान और महिला सुरक्षा कार्यक्रमों पर खर्च करना कानून द्वारा अनिवार्य किया जा सकता है। इससे जनता को यह विश्वास मिलेगा कि सरकार केवल कर संग्रह नहीं कर रही, बल्कि सामाजिक कल्याण के लिए उसका उपयोग भी कर रही है।चौथा पक्ष डिजिटल और ऑनलाइन जुए का नियमन है। विदेशी बेटिंग प्लेटफॉर्म, अवैध ऐप और अनधिकृत वेबसाइटें भारतीय युवाओं को तेजी से आकर्षित कर रही हैं। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, रिजर्व बैंक, प्रवर्तन निदेशालय, साइबर पुलिस और राज्यों की एजेंसियों के बीच समन्वित व्यवस्था विकसित कर ऐसे प्लेटफॉर्मों पर प्रभावी नियंत्रण सटीकता से स्थापित किया जाना चाहिए।

साथियों, कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि जुआ सामाजिक बुराई है और इसे पूरी तरह प्रतिबंधित कर देना चाहिए। यह विचार अपनी जगह सम्माननीय है।वहीं दूसरा पक्ष कहता है कि जहाँ माँग मौजूद है, वहाँ पूर्ण प्रतिबंध से अवैध बाजार और संगठित अपराध बढ़ते हैं। विश्व के अनेक देशों का अनुभव बताता है कि कठोर नियमन, पारदर्शी कर व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा उपाय पूर्ण प्रतिबंध की तुलना में अधिक प्रभावी सिद्ध हुए हैंइसलिए प्रत्येक राज्य को अपनी परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए, किंतु किसी भी स्थिति में अवैध जुए और डिजिटल सट्टेबाजी को कानून से बाहर नहीं छोड़ा जा सकता।

साथियों, मेरे मत में भारत सरकार को विधि आयोग, नीति आयोग, गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा सभी राज्यों के प्रतिनिधियों की एक उच्चस्तरीय समिति गठित करनी चाहिए। यह समिति विश्व के सफल मॉडलों का अध्ययन कर भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप एक व्यापक मॉडल कानून तैयार करे। इस कानून में 21 वर्ष की न्यूनतम आयु, डिजिटल पहचान सत्यापन, लाइसेंस प्रणाली, सीसीटीवी निगरानी, मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी नियम, जिम्मेदार जुआ कार्यक्रम, स्वैच्छिक प्रतिबंध व्यवस्था, कर पारदर्शिता, नियमित ऑडिट, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का पंजीकरण, भ्रामक विज्ञापनों पर रोक तथा कठोर दंड जैसी व्यवस्थाएँ शामिल होनी चाहिए।

यह संघर्ष और संघर्षकर्ता दोनों का सम्मान करता है। यह न तो आंदोलन को कमजोर करता है और न ही अनशनकारी के संकल्प को कमतर बताता है। बल्कि यह कहता है कि संघर्ष इतना महत्वपूर्ण है कि उसके सबसे महत्वपूर्ण नेतृत्व को सुरक्षित रखना भी आवश्यक है।पत्र का केंद्रीय तर्क एक वाक्य में समाहित है

जब आंदोलन कहे—नेता बचाइए, संघर्ष नहीं रोकिए

लेखक - कुमार कृष्णन

भारतीय लोकतंत्र का इतिहास केवल चुनावों, संसद और सरकारों का इतिहास नहीं है। यह उन जनांदोलनों का भी इतिहास है जिन्होंने समय-समय पर सत्ता को आईना दिखाया, समाज की चेतना को झकझोरा और लोकतंत्र को उसकी मूल भावना की याद दिलाई। चंपारण सत्याग्रह से लेकर भूदान आंदोलन, नर्मदा बचाओ आंदोलन, सूचना के अधिकार की लड़ाई और किसानों के आंदोलनों तक, भारत में जनसंघर्षों ने हमेशा यह साबित किया है कि लोकतंत्र केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की नैतिक शक्ति से भी संचालित होता है। ऐसे ही संघर्षों के बीच लिखा गया जल बिरादरी का एक पत्र केवल एक अपील नहीं, बल्कि जनांदोलनों के दर्शन, नैतिकता और भविष्य पर गंभीर चिंतन प्रस्तुत करता है।जलपुरुष राजेंद्र सिंह राणा और एकता परिषद के संस्थापक राजगोपाल पी. वी. द्वारा सोनम जी को संबोधित यह पत्र पहली दृष्टि में एक अनशनकारी से अनशन समाप्त करने का आग्रह प्रतीत होता है।

किंतु यदि इसकी भाषा, तर्क और भाव को गहराई से पढ़ा जाए तो स्पष्ट होता है कि यह संघर्ष को समाप्त करने का नहीं, बल्कि उसे अधिक व्यापक, अधिक लोकतांत्रिक और अधिक टिकाऊ बनाने का दस्तावेज़ है।पत्र की शुरुआत ही अत्यंत अर्थपूर्ण है। लेखक पहले अपने परिचय से नैतिक विश्वसनीयता स्थापित करते हैं। राजेंद्र सिंह को वाटरमैन ऑफ इंडिया के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिन्होंने अपना जीवन जल संरक्षण, पर्यावरण और वंचित समुदायों के अधिकारों के लिए समर्पित किया। वहीं राजगोपाल पी. वी. का परिचय भूमि सुधार और जनाधिकार आंदोलनों के अग्रणी नेता के रूप में दिया गया है। इसके बाद वे लिखते हैं कि वे केवल अपनी ओर से नहीं, बल्कि देश भर के अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं और जन आंदोलनों की ओर से यह अपील कर रहे हैं। इस प्रकार पत्र किसी व्यक्ति की निजी राय न रहकर व्यापक सामाजिक चेतना का प्रतिनिधित्व करने लगता है।पत्र का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें कहीं भी सोनम के आंदोलन की वैधता पर प्रश्न नहीं उठाया गया। इसके विपरीत, लेखक स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं कि उनके अनशन ने राष्ट्र की अंतरात्मा को झकझोरा है। उन्होंने देश के भविष्य से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रश्न को करोड़ों लोगों के सामने ला खड़ा किया है। उनकी सादगी, ईमानदारी और अटूट प्रतिबद्धता को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बताया गया है। यह स्वीकारोक्ति महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी भी लोकतांत्रिक संघर्ष में विरोध की नैतिक वैधता को स्वीकार किए बिना संवाद संभव नहीं होता।यही इस पत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। यह संघर्ष और संघर्षकर्ता दोनों का सम्मान करता है। यह न तो आंदोलन को कमजोर करता है और न ही अनशनकारी के संकल्प को कमतर बताता है। बल्कि यह कहता है कि संघर्ष इतना महत्वपूर्ण है कि उसके सबसे महत्वपूर्ण नेतृत्व को सुरक्षित रखना भी आवश्यक है।पत्र का केंद्रीय तर्क एक वाक्य में समाहित है—ऐसा आंदोलन केवल एक व्यक्ति के बलिदान पर निर्भर नहीं रह सकता। यह केवल एक सलाह नहीं, बल्कि आधुनिक जनांदोलनों के लिए एक गहरी राजनीतिक चेतावनी भी है। भारतीय समाज ने अनेक बार देखा है कि जब आंदोलन पूरी तरह किसी एक व्यक्ति के व्यक्तित्व पर आधारित हो जाता है, तब उसकी सफलता और असफलता भी उसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ जाती है। इससे आंदोलन की सामूहिक शक्ति सीमित हो जाती है।इनलोगों का आग्रह है कि किसी भी न्यायपूर्ण संघर्ष का भार अकेले एक व्यक्ति के कंधों पर नहीं होना चाहिए। यदि हजारों लोग उस मुद्दे से सहमत हैं, यदि समाज उस संघर्ष को अपना मानता है, तो उसके लिए जिम्मेदारी भी हजारों लोगों को उठानी चाहिए। यही कारण है कि पत्र में रिले अनशन और अन्य शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीकों से संघर्ष जारी रखने का सुझाव दिया गया है। यह सुझाव केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भी है। यह आंदोलन को व्यक्ति-केंद्रित से समाज-केंद्रित बनाने का प्रस्ताव है।पत्र का एक और उल्लेखनीय पक्ष सरकार के प्रति उसका संतुलित दृष्टिकोण है। लेखक स्वीकार करते हैं कि सोनम का मानना है कि अपील सरकार से की जानी चाहिए, उनसे नहीं। वे इस तर्क को अस्वीकार नहीं करते। बल्कि बताते हैं कि पिछले सप्ताह उन्होंने उन सभी लोगों से संवाद करने का प्रयास किया जो सरकार को जिम्मेदारी से निर्णय लेने के लिए प्रभावित कर सकते थे, लेकिन अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली। यह स्वीकारोक्ति पत्र को और अधिक विश्वसनीय बनाती है। इससे स्पष्ट होता है कि अनशन समाप्त करने की अपील सरकार की जवाबदेही को कम करने के लिए नहीं, बल्कि आंदोलन की ऊर्जा को बचाने के लिए की जा रही है।भारतीय लोकतंत्र में यह प्रश्न हमेशा महत्वपूर्ण रहा है कि जब सरकार संवाद से इंकार कर दे तो नागरिक क्या करें? गांधी ने सत्याग्रह का मार्ग चुना, जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया, अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अनशन किया। इन सभी आंदोलनों में नैतिक दबाव सबसे बड़ा हथियार था। किंतु इन आंदोलनों ने यह भी सिखाया कि संघर्ष किसी व्यक्ति की शारीरिक क्षमता से बड़ा होना चाहिए। यदि आंदोलन का अस्तित्व केवल एक व्यक्ति के उपवास पर निर्भर रह जाए तो उसकी स्थिरता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।पत्र का सबसे संवेदनशील हिस्सा वह है जहाँ लेखक कहते हैं कि आज उनकी सबसे बड़ी चिंता सोनम का स्वास्थ्य है। यह केवल भावुकता नहीं है। इसके पीछे एक गहरी राजनीतिक समझ है। लेखक लिखते हैं कि देश को उनकी आवाज़, उनके नैतिक नेतृत्व और भविष्य के संघर्षों में उनकी सक्रिय उपस्थिति की आवश्यकता है। इसका आशय यह है कि किसी आंदोलन की सबसे बड़ी पूंजी उसका नैतिक नेतृत्व होता है। यदि वही नेतृत्व असमय संकट में पड़ जाए तो समाज एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक खो सकता है।यह विचार गांधीवादी राजनीति की मूल अवधारणा से जुड़ता है। गांधी ने व्यक्तिगत तपस्या को कभी आत्मविनाश का साधन नहीं बनाया। उनका उद्देश्य हमेशा समाज की चेतना को जगाना था। जब उद्देश्य पूरा हो जाता या आंदोलन को नए चरण में ले जाने की आवश्यकता होती, तब रणनीति भी बदलती थी। जल बिरादरी का यह पत्र उसी परंपरा की याद दिलाता है। इसमें त्याग का सम्मान है, लेकिन जीवन की रक्षा को भी उतना ही आवश्यक माना गया है।पत्र का अंतिम संदेश सबसे अधिक प्रभावशाली है। दोनों ने लिखा है हैं कि यदि सोनम अनशन समाप्त कर आंदोलन को जनता के हाथों सौंपते हैं, तो वे संघर्ष समाप्त नहीं करेंगे, बल्कि उसका विस्तार करेंगे। यह वाक्य भारतीय जनांदोलनों की आत्मा को व्यक्त करता है। किसी भी लोकतांत्रिक संघर्ष की अंतिम सफलता इस बात में नहीं होती कि एक व्यक्ति कितनी पीड़ा सह सका, बल्कि इस बात में होती है कि कितने लोग उस संघर्ष को अपना मानने लगे।आज के समय में जब सोशल मीडिया और व्यक्तित्व-आधारित राजनीति के कारण अनेक आंदोलन किसी एक चेहरे तक सीमित हो जाते हैं, यह पत्र सामूहिक नेतृत्व की आवश्यकता पर बल देता है। लोकतंत्र में कोई भी आंदोलन तभी स्थायी बन सकता है जब वह व्यक्ति-पूजा से ऊपर उठकर जनभागीदारी का आंदोलन बने। संघर्ष का केंद्र किसी एक व्यक्ति का शरीर नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना होनी चाहिए।यह पत्र हमें यह भी सिखाता है कि नेतृत्व का अर्थ केवल सबसे आगे खड़ा होना नहीं है। कभी-कभी नेतृत्व का सबसे बड़ा दायित्व स्वयं को बचाकर रखना भी होता है, ताकि भविष्य के संघर्षों में समाज का मार्गदर्शन किया जा सके। यह विचार भारतीय राजनीतिक संस्कृति में अपेक्षाकृत कम चर्चा का विषय रहा है, जबकि इसकी प्रासंगिकता अत्यंत व्यापक है।अंततः यह पत्र केवल सोनम के नाम लिखी गई अपील नहीं है। यह हर उस जनांदोलन के लिए एक संदेश है जो न्याय, पर्यावरण, भूमि, जल, जंगल, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है। यह हमें याद दिलाता है कि किसी भी आंदोलन की सबसे बड़ी शक्ति उसका नैतिक आधार, उसकी सामूहिकता और उसकी लोकतांत्रिक भावना होती है।

धर्मेंद्र जैसा हैंडसम इंसान कभी नहीं देखा : हेमा मालिनी

हाल ही में अभिनेत्री हेमा मालिनी ने एक पुराने साक्षात्कार में धर्मेंद्र से अपनी पहली मुलाकात और उनके प्रति पहली प्रतिक्रिया का जिक्र किया, जिसने एक बार फिर उनकी प्रेम कहानी को सुर्खियों में ला दिया। एक लोकप्रिय कार्यक्रम में हेमा मालिनी से पूछा कि वह पहली बार धर्मेंद्र से कहां मिली थीं और उन्हें देखकर उनके मन में पहला विचार क्या आया था। इसके जवाब में हेमा मालिनी ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार धर्मेंद्र को देखा तो उन्हें लगा कि उन्होंने अपनी जिंदगी में इतना आकर्षक और हैंडसम व्यक्ति पहले कभी नहीं देखा था। उन्होंने बताया कि पहली मुलाकात एक फिल्म के प्रीमियर के दौरान हुई थी और उसी समय धर्मेंद्र के व्यक्तित्व ने उन्हें प्रभावित कर दिया था। हेमा मालिनी ने कहा कि बाद में उन्हें पता चला कि धर्मेंद्र ने भी उनके बारे में कुछ इसी तरह की सकारात्मक बातें कही थीं। इसके बाद दोनों को कई फिल्मों में साथ काम करने का अवसर मिला और धीरे-धीरे एक-दूसरे को करीब से जानने का मौका भी मिला। उन्होंने बताया कि लगातार साथ काम करने से दोनों के बीच अच्छी समझ और गहरा जुड़ाव विकसित हुआ।

जब उनसे पूछा कि धर्मेंद्र की कौन-सी बात उन्हें सबसे अधिक पसंद आई, तो हेमा मालिनी ने कहा कि वह बेहद स्नेही, विनम्र और दूसरों का सम्मान करने वाले इंसान हैं। उनके अनुसार, धर्मेंद्र का व्यवहार हमेशा प्यार और अपनापन से भरा रहता था। उन्होंने कहा कि वह उस समय कई बड़े अभिनेताओं के साथ काम कर रही थीं, लेकिन धर्मेंद्र के साथ काम करने का अनुभव सबसे अलग और सहज महसूस होता था। बातचीत के दौरान हेमा मालिनी ने यह भी स्वीकार किया कि धर्मेंद्र अक्सर अपने प्यार का इजहार किया करते थे। उन्होंने बताया कि शुरुआत में वह उनकी बातों को हल्के-फुल्के अंदाज में टाल देती थीं, क्योंकि उन्हें इस रिश्ते के संभावित परिणामों का अंदाजा था। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि किसी भी लडक़ी के लिए धर्मेंद्र जैसे आकर्षक और संवेदनशील व्यक्ति के व्यक्तित्व को नजरअंदाज करना आसान नहीं था। हेमा मालिनी ने बताया कि दोनों लगातार फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त रहते थे। कई बार एक ही दिन में दो या तीन शिफ्ट में साथ काम करना पड़ता था।

मुंबई की शूटिंग के अलावा आउटडोर लोकेशनों पर भी लंबा समय साथ बिताने का अवसर मिलता था। ऐसे में एक-दूसरे को समझने और करीब आने का मौका स्वाभाविक रूप से मिला। यही पेशेवर साथ धीरे-धीरे गहरे रिश्ते में बदल गया। आज भी हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की जोड़ी हिंदी सिनेमा की सबसे प्रतिष्ठित और यादगार जोडियों में गिनी जाती है। मालूम हो कि हिंदी सिनेमा की सबसे चर्चित और लोकप्रिय जोडिय़ों में शामिल हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की प्रेम कहानी आज भी प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बनी रहती है। दोनों ने सीता और गीता, शोले, ड्रीम गर्ल, आजाद, दिल्लगी और द बर्निंग ट्रेन जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया और अपनी शानदार ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया।

मैंने अपनी दाल-ढोकली कमा ली है : हेली शाह

अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अभिनेत्री हेली शाह ने एक बार फिर प्रशंसकों को फिटनेस और संतुलित जीवनशैली का संदेश दिया है। हाल ही में हेली ने अपने हाई-एनर्जी वर्कआउट सेशन का वीडियो साझा किया। वीडियो के साथ उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, मैंने अपनी दाल-ढोकली कमा ली है। इसके साथ मुस्कुराते हुए इमोजी और अपने पसंदीदा भोजन की तस्वीर भी साझा की। उनके इस कैप्शन को प्रशंसकों ने खूब पसंद किया और इसे फिटनेस के साथ जीवन में संतुलन बनाए रखने का सकारात्मक संदेश बताया। साझा किए गए वीडियो में हेली शाह कई चुनौतीपूर्ण एक्सरसाइज करती दिखाई दे रही हैं। उनके वर्कआउट में बॉक्स जंप्स, डीप स्क्वैट्स, डंबल्स के साथ वेटेड स्टेप-अप्स, मोबिलिटी ड्रिल्स और स्ट्रेचिंग जैसी एक्सरसाइज शामिल हैं।

ऑल-ब्लैक वर्कआउट आउटफिट में नजर आ रहीं हेली हर अभ्यास को पूरे फोकस और समर्पण के साथ करती दिखाई देती हैं। एक्सरसाइज के दौरान वह शरीर को हाइड्रेट रखने का भी पूरा ध्यान रखती हैं और सेट्स के बीच पानी पीने के बाद दोबारा उसी ऊर्जा के साथ अभ्यास में जुट जाती हैं। हेली का फिटनेस रूटीन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, एंड्योरेंस, एगिलिटी और फंक्शनल एक्सरसाइज का संतुलित मेल है। यह दर्शाता है कि वह केवल आकर्षक दिखने के लिए ही नहीं, बल्कि शरीर की ताकत, लचीलापन और सहनशक्ति बढ़ाने पर भी बराबर ध्यान देती हैं। उनके अनुशासन और नियमित अभ्यास ने सोशल मीडिया पर लोगों को प्रभावित किया है। बड़ी संख्या में प्रशंसकों ने उनकी मेहनत, निरंतरता और फिटनेस के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें प्रेरणादायक बताया है। हेली शाह के पोस्ट का सबसे चर्चित हिस्सा उनका कैप्शन रहा। उन्होंने अपनी पसंदीदा डिश दाल-ढोकली का जिक्र करते हुए यह संदेश दिया कि फिटनेस का मतलब अपनी मनपसंद चीजों से पूरी तरह दूरी बनाना नहीं है। नियमित व्यायाम, संतुलित खानपान और अनुशासित दिनचर्या के साथ व्यक्ति अपनी पसंद का भोजन भी बिना किसी अपराधबोध के खा सकता है। उनका यह संदेश उन लोगों के लिए भी प्रेरणादायक है, जो फिटनेस अपनाना चाहते हैं, लेकिन अपनी पसंदीदा चीजें छोडऩे को लेकर असमंजस में रहते हैं। हेली शाह समय-समय पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली से जुड़े वीडियो साझा करती रहती हैं। उनका मानना है कि शारीरिक फिटनेस के साथ मानसिक और भावनात्मक संतुलन भी उतना ही जरूरी है। उनके पोस्ट प्रशंसकों को नियमित व्यायाम और स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो बकवास बातों को बर्दाश्त कर लें? हद में रहना

बॉलीवुड सितारों और पैपराजी के बीच कैमरे के सामने होने वाली नोकझोंक अब आम बात है। हाल ही में सोनाक्षी सिन्हा और नेहा धूपिया भी पैपराजी के कुछ बिहेवियर पर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। अब इस लिस्ट में जरीन खान का नाम भी जुड़ गया है। एक इवेंट में कुछ ऐसा हुआ कि एक्ट्रेस जरीन का सब्र टूट गया और उन्होंने सबके सामने ही पैपराजी को खरी-खोटी सुना दी। उनका सख्त अंदाज कैमरे में कैद हो गया, जिसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स भी जरीन की तारीफ कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जरीन खान मुंबई में एक कपड़ों के ब्रांड के लॉन्च इवेंट में पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने ब्रांड के कलेक्शन के साथ कैमरों के सामने पोज दिए। उनके हाथ में एक डेनिम जैकेट और एक ड्रेस भी थी, जिसे वह प्रमोट कर रही थीं। इसी बीच वहां मौजूद एक फोटोग्राफर ने जरीन से

कहा कि वह वहीं सबके सामने ड्रेस ट्राई करके दिखाएं। इतना सुनते ही एक्ट्रेस जरीन भडक़ गईं। उन्होंने आव देखा न ताव और तुरंत जवाब दिया। जरीन ने पैपराजी को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि फालतू की बातें मत करना मेरे साथ, क्योंकि मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो बकवास बातों को बर्दाश्त कर लें, ओके? हद में रहना, सब के सब।' उनका यह जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग भी कुछ शांत हो गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आते ही वायरल हो गया। यूजर्स ने जरीन खान की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बिल्कुल सही किया। एक यूजर ने लिखा- जरीन बिल्कुल सही हैं, किसी को भी इस तरह की बात करने का हक नहीं है।' दूसरे ने लिखा- पैपराजी आखिर इस तरह का कॉमेंट कैसे कर सकते हैं? वहीं, एक अन्य यूजर ने कहा- शायद उन्हें उम्मीद थी कि जरीन वहीं कपड़े बदल लें, जो पूरी तरह गलत है। बात दें जरीन खान ने साल 2010 में सलमान खान के साथ फिल्म 'वीर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही, लेकिन जरीन को पहचान मिली थी। इसके बाद वह 'रेडी' के लोकप्रिय गाने 'कैरेक्टर ढीला', 'हाउसफुल 2', 'हेट स्टोरी 3', '1921', 'अक्सर 2' और पंजाबी फिल्म 'जट्ट जेम्स बॉन्ड' जैसी फिल्मों में नजर आईं। जरीन पिछले कुछ समय से बड़े पर्दे से दूर हैं।

अरे यार, मेरे पास कोई सीक्रेट ही नहीं है, मुझे कुछ नहीं चाहिए, मैं वर्जिन हूं

रियलिटी शोज में अक्सर कंटेस्टेंट्स के बीच तकरार, मजाक और तीखी नोकझोंक हो जाती है। 'लॉक अप सीजन 2' में कंटेस्टेंट के बीच बहस देखने को मिल रही है। अब शो के हालिया एपिसोड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री शिल्पा शिंदे और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर श्रेया कालरा, टीवी अभिनेत्री शिवांगी जोशी की मिमिक्री करती नजर आ रही हैं। इस दौरान शिल्पा ने शिवांगी की वर्जिनिटी को लेकर भी टिप्पणी की, जिसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दी हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हालिया एपिसोड में शिल्पा शिंदे और श्रेया कालरा एक साथ बैठकर शिवांगी जोशी की नकल उतारती दिखाई दे रही हैं। वीडियो में शिल्पा, शिवांगी के बोलने के अंदाज की मिमिक्री करते हुए कहती है, 'अरे

यार, मेरे पास तो कोई सीक्रेट ही नहीं है। कितना एक्ट करूं? मैं बहुत इनोसेंट हूं। मुझे कुछ नहीं चाहिए। मैं वर्जिन हूं। मैं शादी के बाद ही करूंगी।' शिल्पा के इस अंदाज पर श्रेया भी हंसने लगती हैं और फिर वह अभिनेता हर्षद चोपड़ा की मिमिक्री करते हुए कहती हैं, शिवांगी, तुम क्या सोच रही हो? इसके बाद वह खुद ही शिवांगी के अंदाज में जवाब देती हैं, पता नहीं, लेकिन जब ये सीक्रेट रिवील होगा ना, तब मैं बहुत हंसूंगी, क्योंकि इसमें था ही कुछ नहीं।

बता दें यह पूरा मामला तब हुआ जब शिल्पा और श्रेया ने कुछ दूरी पर खड़े शिवांगी जोशी और हर्षद चोपड़ा को आपस में बातचीत करते देखा। दोनों ने उसी बातचीत को आधार बनाकर उनकी मिमिक्री शुरू कर दी। इस दौरान शिवांगी ने उनकी बातों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। यह पहली बार नहीं है जब शिल्पा शिंदे का व्यवहार शिवांगी जोशी को लेकर चर्चा में आया हो। इससे पहले भी एक एपिसोड में शिल्पा ने कंट्रोलर के रूप में शिवांगी को हर्षद चोपड़ा से कम बात करने का ऑर्डर दिया था। उस समय भी सोशल मीडिया पर कई लोगों ने शिल्पा के रवैये को गलत बताया था। बता दें 'लॉक अप सीजन 2' अपने पहले दिन से ही विवादों और कंटेस्टेंट्स के बीच होने वाले तीखे झगड़ों की वजह से चर्चा में है।

जिम वर्कआउट रूटीन से हटकर पिलाटेस सेशन को चुना नरगिस ने

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री नरगिस फाखरी अपनी नियमित जिम वर्कआउट रूटीन से हटकर पिलाटेस सेशन को चुना है। नरगिस ने यह बदलाव अपने प्रशंसकों के साथ सोशल मीडिया के जरिए साझा किया। नरगिस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पिलाटेस स्टूडियो से एक मिरर सेल्फी शेयर की, जिसमें वह अपनी पिलाटेस क्लास शुरू होने से पहले आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरपूर नजर आ रही थीं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, अब इस दमदार पिलाटेस क्लास को आजमाने जा रही हूं। यह दर्शाता है कि वह अपनी शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए नए तरीकों को अपनाने में हमेशा आगे रहती हैं। अभिनेत्री के इस कदम ने उनके प्रशंसकों और फिटनेस के प्रति उत्साही लोगों के बीच एक नई बहस छेड़ दी है, क्योंकि पिलाटेस आजकल कई मशहूर हस्तियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह न केवल शरीर को लचीलापन और मजबूती प्रदान करता है, बल्कि मानसिक शांति और एकाग्रता में भी मदद करता है। नरगिस फाखरी अपनी पहली फिल्म रॉकस्टार से ही अपनी आकर्षक छवि और सक्रिय जीवनशैली के लिए जानी जाती रही हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो नरगिस फाखरी हाल ही में रिलीज हुई कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आई थीं। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी इस मल्टी-स्टारर फिल्म में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, संजय दत्त, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडिस, चित्रांगदा सिंह, सोनम बाजवा, सौंदर्या शर्मा, चंकी पांडे, निकितिन धीर और जॉनी लीवर सहित कई नामचीन कलाकार दिखाई दिए। यह फिल्म एक मर्डर मिस्ट्री कॉमेडी है, जिसमें एक अरबपति की मौत के

बाद उसकी संपत्ति पर दावा करने वाले कई लोगों की कहानी को एक लग्जरी क्रूज के बीच हास्य और रोमांच के साथ पेश किया गया है, जिसमें नरगिस ने अपने किरदार के जरिए दर्शकों का मनोरंजन किया। इसके अलावा, नरगिस मस्ती 4 में भी नजर आई हैं। मिलाप जावेरी के निर्देशन में बनी इस कॉमेडी फिल्म में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी मुख्य भूमिकाओं में हैं, जो दर्शकों को गुदगुदाने में सफल रही।

नरगिस ने साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म रॉकस्टार से बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाई थी, जहाँ उनकी मासूमियत और अभिनय को सराहा गया। इसके बाद वह मद्रास कैफे, मैं तेरा हीरो, हाउसफुल 3 जैसी सफल हिंदी फिल्मों और हॉलीवुड फिल्म स्पाई में भी नजर आ चुकी हैं, जिससे उनकी अभिनय क्षमता की बहुमुखी प्रतिभा सामने आई है। वहीं, इसी साल उन्होंने दुबई में इजरायल-ईरान तनाव के दौरान चिंता और अनिद्रा से जूझने का अपना अनुभव भी सोशल मीडिया पर साझा किया था। अभिनेत्री ने बताया था कि अनिश्चितता और तनाव के कारण उन्हें रातों में नींद नहीं आ रही थी और उनका मन लगातार बेचैन बना हुआ था। इस खुलासे ने उनके प्रशंसकों को उनकी मानवीय और संवेदनशील पक्ष से रूबरू कराया।

न्यूज ब्रीफ

महिला एशिया कप क्वालीफायर में भारतीय फुटबॉल टीम का पहला मुकाबला इराक से

नई दिल्ली। भारतीय महिला अंडर-17 फुटबॉल टीम को आगामी एएफसी अंडर-17 विमेंस एशियन कप 2027 क्वालीफायर के लिए ग्रुप ई में रखा गया है जिसमें उसे मेजबान टीम मलेशिया के अलावा सीरिया और इराक से खेलना होगा। भारतीय टीम का लक्ष्य इन मुकाबलों को जीतकर लगातार दूसरी बार क्वालीफाई करना रहेगा। टीम ने हाल ही में चीन में आयोजित 2026 एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप में अच्छा प्रदर्शन किया था। तब टीम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत इराक के खिलाफ मुकाबले से करेगी। जिसके बाद उसे सीरिया और अंत में मेजबान मलेशिया के साथ मुकाबला खेलना होगा। इन क्वालीफायर मैचों में मिली जीत ही टीम को अगले चरण में पहुंचाएगी। इन क्वालीफायर में शामिल कुल आठ ग्रुप विजेता एएफसी अंडर-17 विमेंस एशियन कप चीन 2027 के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगे। मुख्य टूर्नामेंट 31 मार्च से 17 अप्रैल 2027 तक सूजौ में आयोजित होगा। ड्रॉ प्रक्रिया के लिए, टूर्नामेंट के पिछले तीन संस्करणों में टीमों की अंतिम रैंकिंग के आधार पर बनी अंक प्रणाती के प्रयोग से 30 टीमों को चार पॉट और एक अतिरिक्त मेजबान पॉट में विभाजित किया गया था।

विश्वकप विजेता टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ को ऐतिहासिक चैंपियनशिप रिंग देगी फीफा

अटलांटा । विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने कहा है कि इस बार विश्वकप 2026 की विजेता टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को प्रतिष्ठित ट्रॉफी और स्वर्ण पहक के साथ ही सम्मान स्वरुप एक विशेष चैंपियनशिप रिंग भी दी जाएगी। ये घोषणा फीफा ने आधिकारिक तौर पर की है और इसे विजेताओं के लिए एक नई परंपरा की शुरुआत बताया गया है। फीफा ने बताया है कि उसने रिंग देने का फैसला अमेरिकी खेलों की मशहूर परंपरा से प्रेरित होकर किया है। इसमें चैंपियन टीमों को उनकी जीत के लिए विशेष रिंग्स दी जाती हैं। इसका मुख्य लक्ष्य खिलाड़ियों को उनकी ऐतिहासिक जीत की एक स्थायी और खास याद दिलाना है। यह रिंग पहली बार फुटबॉल विश्व कप का हिस्सा बनेगी, जिससे इस खेल के सबसे बड़े टूर्नामेंट की विजेता टीम के लिए सम्मान का एक नया अध्याय जुड़ेगा। गौरतल है कि इस प्रत्येक रिंग को बड़े ही खास अंदाज में डिजाइन किया जाएगा। रिंग के एक तरफ फीफा विश्व कप की ट्रॉफी बनी होगी, जो टूर्नामेंट की गरिमा को दर्शाएगी, जबकि दूसरी तरफ विजेता टीम के अनुसार एक खास डिजाइन तैयार किया जाएगा। हर रिंग पर एक अद्वितीय नंबर होगा और उसे खिलाड़ी के हिसाब से तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही, उसकी प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए असली होने का प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

लॉर्ड्स में किसी भारतीय ने वनडे में नहीं लगाया है शतक

नई दिल्ली। लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे में भारतीय बल्लेबाजों पर अच्छा प्रदर्शन का दबाव होगा। शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम ने पहला वनडे जीतने के बाद दूसरे वनडे में हार मिली। पहले वनडे में शुभमन गिल ने शानदार प्रदर्शन किया था। दूसरे वनडे में भी वह शानदार लय में दिखे थे, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल पाए थे। विराट कोहली और श्रेयस अय्यर ने भी अच्छा प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम को सीरीज जीतने के लिए बल्लेबाजों से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। हालांकि, लॉर्ड्स में भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। वनडे क्रिकेट में कोई भी बल्लेबाज इस ऐतिहासिक स्टेडियम में शतक नहीं लगा सका है। यह सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के नाम है। उन्होंने 90 रनों की पारी खेली थी। लॉर्ड्स में 7 भारतीय बल्लेबाजों ने अर्धशतक जड़ा है। इनमें गांगुली, युवराज सिंह, महेंद्र सिंह धोनी, राहुल द्रविड़, सुरेश रैना, वीरेंद्र सहवाग और मोहम्मद कैफ शामिल हैं। गांगुली ने सबसे ज्यादा 251, युवराज ने 170, धोनी ने 165,द्रविड़ ने 149, रैना ने 130, सहवाग ने 117 और कैफ ने 89 रन बनाए हैं। विराट कोहली ने 77, हार्दिक पंड्या ने 50 और शिखर धवन ने 45 रन बनाए हैं।

महान वेस्टइंडीज ऑलराउंडर सर गैरी सोबर्स का 89 वर्ष की आयु में निधन

क्रिकेट जगत ने महान ऑलराउंडर को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली ● एजेंसी

क्रिकेट जगत के महानतम ऑलराउंडरों में से एक, वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी सर गैरी सोबर्स का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्होंने शुक्रवार को अपने बारबाडोस स्थित घर पर अंतिम सांस ली। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनके निधन की पुष्टि करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है, और लिखा, एक शानदार पारी खत्म हो गई है। हमारे दिलों में, अभी और हमेशा के लिए, सर गारफील्ड सोबर्स।

28 जुलाई 1936 को ब्रिजटाउन, बारबाडोस में जन्मे गैरी सोबर्स ने 1954 में इंग्लैंड के खिलाफ किंग्सटन में टेस्ट मैच से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था। वह बाएं हाथ के बल्लेबाज और बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स तथा कलाई के स्पिन गेंदबाज थे। 1954 से लेकर 1974 तक वह वेस्टइंडीज क्रिकेट के सबसे बड़े और भरोसेमंद खिलाड़ी रहे। इस दौरान उन्होंने 93 टेस्ट मैचों की 160 पारियों में 26 शतक और 30 अर्धशतक लगाते हुए 8,032 रन बनाए। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 365 रन था, जिसे उन्होंने 1958 में पाकिस्तान के खिलाफ बनाया था, और यह रिकॉर्ड 1994 में ब्रायन लारा द्वारा तोड़े जाने तक कायम रहा। सोबर्स ने 235 टेस्ट विकेट भी लिए और अपने एकमात्र वनडे मैच में भी एक विकेट हासिल किया।

सर गैरी सोबर्स ने अपने करियर में कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाए। वह फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने थे, यह कारनामा उन्होंने नॉटिंघमशायर के लिए खेलते हुए ग्लेमोर्गन के मैल्कम नैश के खिलाफ किया था। इसके अलावा, उन्होंने 21 साल 213 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट में तिहरा शतक जडक़र सबसे कम उम्र में तिहरा शतक बनाने वाले क्रिकेटर का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया, जो आज तक कायम है। डॉन ब्रैडमैन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए सोबर्स ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की थी। क्रिकेट में उनकी सेवाओं के लिए 1975 में उन्हें नाइटहुड की उपाधि से सम्मानित किया गया था। पुरुषों के क्रिकेट में आईसीसी का सबसे बड़ा सालाना अवॉर्ड, सर गारफील्ड सोबर्स अवॉर्ड, उनके सम्मान में दिया जाता है, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे शानदार समग्र प्रदर्शनकर्ता को पहचान देता है।

गैरी सोबर्स के निधन पर शोक की लहर, दिग्गजों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स के 89 वर्ष की आयु में निधन से विश्व क्रिकेट जगत शोक में डूब गया है। बारबाडोस में शुक्रवार को उनके निधन के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी), भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पदाधिकारियों, पूर्व और मौजूदा खिलाड़ियों सहित दुनिया भर के क्रिकेटरों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। क्रिकेट इतिहास के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडरों में गिने जाने वाले सोबर्स के योगदान को याद करते हुए सभी ने उन्हें खेल का महानतम दूत बताया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अपने संदेश में कहा कि क्रिकेट ने अपने सबसे महान खिलाड़ियों में से एक को खो दिया है। परिषद ने सोबर्स के परिवार, मित्रों और वेस्टइंडीज क्रिकेट के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें आईसीसी हॉल ऑफ फेम के गौरवशाली सदस्य के रूप में याद किया।

मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंडुल्कर ने गैरी सोबर्स को महान क्रिकेटर बताते हुए कहा कि उनका जाना बहुत बड़ी क्षति हैं उनके योगदान को सदा याद किया जाएगा। वहीं पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने इसे क्रिकेट जगत की अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि उनकी प्रतिभा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने उन्हें अपने जीवन का सबसे महान क्रिकेटर बताते हुए कहा कि उनके जैसा योगदान और प्रभाव शायद ही किसी अन्य खिलाड़ी का रहा हो। पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने कहा कि भले ही उन्हें सोबर्स को खेलते देखने का अवसर नहीं मिला, लेकिन उनके खेल और उपलब्धियों की कहानियां हमेशा प्रेरणादायी रही हैं। उन्होंने उन्हें क्रिकेट इतिहास का महानतम ऑलराउंडर बताया। हरभजन सिंह ने कहा कि क्रिकेट ने अपना एक अनमोल रत्न खो दिया है, जबकि दिनेश कार्तिक ने उन्हें खेल का वास्तविक लीजेंड और कई पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

भारतीय क्रिकेट के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि उन्होंने सर गैरी सोबर्स को खेलते नहीं देखा, लेकिन उनके पिता से उनकी महानता के किस्से सुनकर बड़े हुए हैं और वह हर पीढ़ी के आदर्श रहेंगे। आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने भी गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सर गारफील्ड सोबर्स विश्व क्रिकेट की महानतम हस्तियों में शामिल थे। उन्होंने कहा कि सोबर्स की उपलब्धियां और खेल के प्रति उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। जय शाह ने उनके परिवार, बारबाडोस के लोगों और वैश्विक क्रिकेट समुदाय के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि क्रिकेट जगत उनके योगदान को हमेशा सम्मान के साथ याद रखेगा।

भारत में भी गेंदबाजों को सहायता देने वाली तेज पिचें बनायें : पुजारा

मुंबई ● एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि देश में ऐसी पिचें बनायी जानी चाहिये जिससे गेंदबाजों को भी सहायता मिले। पुजारा के अनुसार इन पिचों पर खेलने से घरेलू गेंदबाजों को तो लाभ होगा ही बल्लेबाजों को भी तेज और उछाल भरी पिचों पर खेलने का अवसर मिलेगा। इससे वे विदेशी हालातों में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। पुजारा ने देश में तेज पिचों को बनाने का ये सुझाव इसलिए भी दिया है क्योंकि भारतीय टीम के बल्लेबाज विदेशी दौरों में तेज और उछाल भरी पिचों पर जूझते आये हैं। इंग्लैंड में भी यही देखने में आया है। तेज और उछाल भरी पिचों के कारण ही हाल ही में, भारतीय टीम को आयरलैंड जैसी कमजोर टीम के खिलाफ टी20 0-2 से हार मिली, जिसके बाद उसे इंग्लैंड के खिलाफ भी टी20 सीरीज में 0-4 की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। इस पूरे दौरे में, भारतीय बल्लेबाजों को उछाल और गति का सामना करने में काफी परेशानी हुई, जिससे उनकी तकनीक और अनुकूलन क्षमता पर सवाल उठे। यह स्थिति और भी चिंताजनक इसलिए हो जाती है क्योंकि यही खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन करते हैं, जहां पिचें अक्सर सपाट और बल्लेबाजी के अनुकूल होती हैं। पुजारा के अनुसार, आईपीएल में सफल बल्लेबाज भी तेज पिचों के कारण विदेशों में असफल हो जाते हैं। परिस्थितियों से तालमेल बिठाने मेंरही, जो भारतीय क्रिकेट प्रणाली पुजारा ने कहा कि क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में, यहां तक कि आईपीएल में भी, कोई ऐसा मैच नहीं चाहता जहां टीम आसानी से 260 रन का लक्ष्य हासिल कर ले। उन्होंने कहा कि गेंदबाजों के लिए कुछ होना चाहिए। जिससे ताकि खेल में संतुलन बना रहे और यह केवल बल्लेबाजों का खेल बनकर न रह जाए। पुजारा ने आगे कहा, टी20 क्रिकेट में पहले ही गलतियों के लिए गुंजाइश बहुत कम होती है, विशेषकर तब जबकि पिच सपाट हों और बाउंड्री छोटी हो। इसीलिए यह महत्वपूर्ण है कि पिचें ऐसी होनी चाहिए जो गेंदबाजों को भी थोड़ी मदद प्रदान करें। ऐसी पिचों का निर्माण खेल को अधिक गतिशील और अप्रत्याशित बनाएगा, जिससे प्रशंसकों के लिए भी यह अधिक रोमांचक होगा। इसके अलावा इससे देश में बेहतर बल्लेबाज तैयार हो सकेंगे।

पुजारा का यह आह्वान केवल तात्कालिक समस्याओं का समाधान नहीं है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के दीर्घकालिक विकास और भविष्य के लिए एक रणनीतिक कदम है। ऐसी पिचें न केवल उच्च गुणवत्ता वाले खिलाडिय़ों को तैयार करेंगी बल्कि टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों प्रारूपों में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को भी बढ़ाएंगी। उनका मानना है कि अधिक संतुलित और चुनौतीपूर्ण खेल के मैदान खिलाडिय़ों को मानसिक और तकनीकी रूप से मजबूत बनाएंगे, जिससे वे दुनिया भर की टीमों के खिलाफ लगातार सफलता प्राप्त कर सकेंगे। यह कदम भारतीय क्रिकेट को एक नई दिशा दे सकता है, जहां घरेलू क्रिकेट अंतर्राष्ट्रीय चुनौतियों के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करेगा।

हर्षित और वरुण के बार-बार चोटिल होने से भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ीं : रिपोर्ट

मुंबई ● एजेंसी

तेज गेंदबाज हर्षित राणा और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के बार-बार चोटिल होने से भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। राणा अपने डेब्यू के बाद से ही फिट नहीं होने के कारण कई बार टीम से बाहर हुए हैं। पहले उनके घुटने की सर्जरी हुई थी। वहीं अब वह मांसपेशियों में खिंचाव (हैमस्ट्रिंग) के कारण टीम से बाहर हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार उनका इस प्रकार बार-बार चोटिल होना भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। वहीं कहा जा रहा है कि रिहैबिलिटेशन के दौरान बढ़े हुए वजन के कारण् उनकी फिटनेस प्रभावित हो रही है। हर्षित इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए जब टीम के साथ जुड़े थे, तब उनका वजन सामान्य से अधिक पाया गया था। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ दो और इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 मैच खेले पर पांच मैच के बाद ही उन्हें दाहिने पैर में ग्रेड-1 हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर होना पड़ा। इसी से टीम प्रबंधन की चिन्ता बढ़ा गयी है कयोंकि घुटने की सर्जरी, बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब और रिटर्न टू प्ले प्रोटोकॉल पूरा करने के बाद भी राणा का वजन कैसे बढ़ गया ये किसी को समझ नहीं आ रहा है। ये भी कहा जा रहा है कि साल 2027 विश्व कप के लिए हर्षित भी टीम योजनाओं का हिस्सा है। ऐसे में उनका बार-बार चोटिल होना टीम के लिए करारा झटका। उन्हें लगभग 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले और आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले संभावित खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन उन्हें अपनी फिटनेस दिनचर्या को लेकर अधिक सतर्क रहना होगा।

हर्षित के अलावा स्पिनर वरुण की फिटनेस भी सवालों के घेरे में है। जिससे भी टीम प्रबंधन की चिंताएँ और बढ़ गई हैं। वरुण चक्रवर्ती को 2026 टी20 विश्व कप से पहले भारत के ट्रंप कार्ड में से एक माना जा रहा था पर अब प्रमुख टीमों के बल्लेबाज उनकी गेंदों की विविधताओं को काफी हद तक समझ चुके हैं। इंग्लैंड दौरे में सिर्फ तीन मैच खेलने के दौरान ही उनकी मांसपेशियों में फिर चोट लग गई। बीसीसीआई ने उन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर कर दिया। एशियाई खेलों के लिए निर्धारित समय-सीमा के भीतर टीम घोषित करनी थी, इसलिए वरुण को उसमें जगह मिल गई। हालांकि, जब 2028 ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया में होने वाले अगले टी20 विश्व कप की तैयारियां शुरू होंगी, तब तक चक्रवर्ती 37 वर्ष के हो चुके होंगे, ऐसे में संभावना यही है कि इस वर्ष के एशियाई खेलों के बाद उन्हें भारतीय टीम में शायद ही जगह मिले।

बॉटम — संगकारा ने 287 और कप्तान जयवर्धने ने 374 रनों की अविस्मरणीय पारी खेली

संगकारा और जयवर्धने के बीच हुई थी टेस्ट क्रिकेट की सबसे बड़ी साझेदारी

मुंबई ● एजेंसी

आजकल सीमित ओवरों के क्रिकेट के प्रति लोग आकर्षित हो रहे हैं। पर इसके बाद भी टेस्ट क्रिकेट का रोमांच भूला नहीं जा सकता है। इसका कारण है कि लंबे प्रारुप में ही किसी खिलाड़ी की असली परीक्षा होती है। टेस्ट क्रिकेट में कई क्रिकेटरों ने एक से बढक़र एक पारियां खेली है। इस दौरान बल्लेबाजों के बीच कई ऐतिहासिक साझेदारियां भी हुई हैं। ये साझेदारियां ऐसी रही जो रनों के साथ ही क्रीज पर खेल रहे दो बल्लेबाजों के धैर्य, दृढ़ संकल्प और आपसी तालमेल को बयां करती हैं। टेस्ट क्रिकेट में ऐसी ही कुछ ऐतिहासिक साझेदारियां हुई हैं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी का विश्व कीर्तिमान श्रीलंका के कुमार संगकारा और माहेला जयवर्धने के नाम दर्ज है और आज तक इसे कोई जोड़ी नहीं तोड़ पायी है। जुलाई 2006 में कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उतरे इन दोनों दिग्गजों ने तीसरे विकेट के लिए रिकॉर्ड तोड़ 624 रन बना दिये। तब संगकारा ने 287 और कप्तान जयवर्धने ने 374 रनों की अविस्मरणीय पारी खेली, इससे डेल स्टेन और मखाया एनटिनी जैसे दिग्गज तेज गेंदबाजों भी बेबस नजर आये थे। यह साझेदारी आज भी अटूट है और श्रीलंका की ऐतिहासिक जीत की नींव बनी।

वहीं इससे एक दशक पहले, 1997 में कोलंबो के ही प्रेमदासा स्टेडियम में सनथ जयसूर्या और रोशन महानामा की श्रीलंकाई जोड़ी ने भारतीय टीम के खिलाफ दूसरे विकेट के लिए 576 रनों की साझेदारी की थी। तब जयसूर्या ने आक्रामक 340 रन बनाए, जबकि महानामा ने 225 रनों की धैर्यपूर्ण पारी खेली। इस साझेदारी ने श्रीलंका को 6 विकेट पर 952 रनों का टेस्ट क्रिकेट का सबसे बड़ा टीम स्कोर बनाने में मदद की, और भारतीय टीम को तीन दिनों तक सिर्फ फील्डिंग करनी पड़ी। वहीं साल 1991 में वेलिंगटन में श्रीलंका के खिलाफ, पहली पारी में पिछडऩे के बाद न्यूजीलैंड की टीम की ओर से एंड्रयू जोंस और महान बल्लेबाज मार्टिन क्रो ने मिलकर तीसरी विकेट के लिए 467 रनों की साझेदारी की थी। तब जोंस ने 186 रन बनाए, वहीं मार्टिन ने 299 रन बनाये और वह एक रन से तिहरा शतक नहीं लगा पाये। आधुनिक टेस्ट क्रिकेट में भी लंबी साझेदारियों का चलन जारी है। हाल ही में, इंग्लैंड के जो रूट और हैरी ब्रुक ने पाकिस्तान के मुल्तान में चौथे विकेट के लिए 454 रनों की साझेदारी की। सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित साझेदारी 1934 के ओवल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के बिल पोंसफोर्ड और महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन के बीच हुई थी। एशेज सीरीज के उस निर्णायक मुकाबले में, इन दोनों दिग्गजों ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे विकेट के लिए 451 रनों की ऐतिहासिक साझेदारी की। पोंसफोर्ड ने 266 और ब्रैडमैन ने 244 रनों की आतिशी पारी खेली। ये पांचों साझेदारियां केवल रनों का अंबार नहीं हैं, बल्कि टेस्ट क्रिकेट की उस अनमोल भावना को दर्शाती हैं, जहाँ धैर्य, एकाग्रता, उत्कृष्ट तकनीक और आपसी तालमेल से इतिहास रचा जाता है।

न्यूज ब्रीफ

सुप्रीम कोर्ट कैंसर की महंगी दवाओं पर सख्त, केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली। कैंसर की जीवनरक्षक दवाओं की अत्यधिक कीमतों और इलाज के इंतजार में हुई मरीज की मौत पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर रुख दिखाया है। शीर्ष अदालत ने मामले पर स्वत: संज्ञान लेकर कहा कि यह केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि उन सभी लोगों से जुड़ा है जो महंगी दवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की बेंच ने स्पष्ट किया कि जहां केरल हाईकोर्ट अपने समक्ष लंबित संबंधित याचिका पर फैसला करेगा, वहीं सुप्रीम कोर्ट जीवनरक्षक दवाओं की कीमत और उनकी उपलब्धता के व्यापक मुद्दे पर सुनवाई करेगा। यह कार्रवाई वर्किंग ग्रुप ऑन एक्सेस टू मेडिसीन्स एंड ट्रीटमेंट के संयोजकों के प्रतिनिधित्व पर आधारित है। कोर्ट ने मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित एक महिला की याचिका पर केरल हाईकोर्ट में हुई देरी पर भी नाराजगी जाहिर की, जिसने रिबोसिक्लिब दवा के लिए 2022 में अदालत का रुख किया था। केंद्र ने धारा 100 का उपयोग करने से इंकार कर कहा था कि मौजूदा परिस्थितियां राष्ट्रीय आपातकाल जैसी नहीं हैं।

मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 के ग्रैंड फिनाले में इंदौर की श्रेया बेड़िया दिखाएंगी हुनर

इंदौर। मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 के ग्रैंड फिनाले में इंदौर की बेटी श्रेया बेड़िया मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। गुमाश्ता नगर निवासी 23 वर्षीय श्रेया देशभर की 52 फाइनलिस्ट प्रतिभागियों के साथ इस प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता के विभिन्न चरण जयपुर, इंदौर, बेंगलुरु और दिल्ली में आयोजित किए जा रहे हैं। श्रेया 18 जुलाई को जयपुर के लिए रवाना हुईं। एयरपोर्ट पर वह सिर पर ताज और हाथ में तिरंगा लेकर नजर आईं। उनके इस अंदाज ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं। गोविंद बेड़िया और नीलम बेड़िया की बेटी श्रेया की स्कूली शिक्षा इंदौर में हुई। इसके बाद उन्होंने अमेरिका में नासा और हार्वर्ड के शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लिया। दिल्ली में स्नातक शिक्षा पूरी करने के बाद जापान के एक शैक्षणिक कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। वर्तमान में वह पेरिस में फैशन एंड लक्जरी प्रोग्राम की पढ़ाई कर रही हैं। श्रेया का मानना है कि सुंदरता तभी सार्थक है, जब वह समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बने।

अवैध विवाह : पत्नी को मेंटेनेंस नहीं, बच्चे का हक बरकरार : बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि विवाह अवैध है, तब महिला को पति से हर्जाना मांगने का अधिकार नहीं होगा। जस्टिस एम.एम. साठे की पीठ ने 15,000 रुपये के मासिक मेंटेनेंस की मांग से जुड़ी महिला की याचिका को खारिज कर फैसला सुनाया। हालांकि, कोर्ट ने महिला के नाबालिग बच्चे के लिए 1,000 रुपये के मेंटेनेंस को कायम रखा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि रिकॉर्ड से यह स्पष्ट है कि महिला पहले से विवाहित थी। लेकिन महिला यह तथ्य छिपाकर अपने पहले पति से तलाक लिए बिना दूसरी शादी की थी। निचली अदालत ने विवाह को पहले ही अमान्य घोषित किया था। इसके बाद महिला कानूनी रुप से ब्याहता पत्नी की श्रेणी में नहीं आती, जिसके कारण महिला को मेंटेनेंस का हक नहीं मिल सकता। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देकर बताया कि सीआरपीसी की धारा 125 के तहत पत्नी का अर्थ केवल वैध रुप से विवाहित महिला से है। न्यायालय ने टिप्पणी की कि चूंकि महिला और वह शख्स सिर्फ तीन महीने ही साथ रहे थे, इसलिए वह लिव-इन रिलेशनशिप के आधार पर भी मेंटेनेंस की मांग नहीं कर सकती। मेंटेनेंस के लिए इसतरह के संबंध में तर्कसंगत समय तक साथ रहना जरुरी है। यह मामला 28 जनवरी 2009 को हुई शादी से जुड़ा था।

रद्द लाइसेंस के बावजूद अवैध रूप से संचालित हो रही थी फैक्ट्री, मालिक पर गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज

अहमदाबाद में पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट, 8 लोगों की मौत, 10 घायल

अहमदाबाद ● एजेंसी

शहर के रामोल-गतराड रोड स्थित महमूदपुरा क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट और उसके बाद लगी आग ने बड़ी त्रासदी को जन्म दे दिया। हादसे में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल फैल गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामोल-गतराड रोड पर स्थित टैलेंट पटाखा फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। फैक्ट्री में भारी मात्रा में पटाखों का भंडारण होने के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। इसके साथ ही लगातार कई विस्फोट हुए, जिनकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी। धमाकों से आसपास के लोग घबरा गए और बड़ी संख्या में मौके पर भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही अहमदाबाद फायर ब्रिगेड की पांच से अधिक दमकल गाडिय़ां तत्काल घटनास्थल पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। राहत एवं बचाव कार्य में रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की टीम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हादसे में घायल लोगों को तत्काल उपचार के लिए एल.जी. अस्पताल और सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। प्रशासन ने मृतकों की पहचान और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फैक्ट्री का लाइसेंस पहले ही रद्द किया जा चुका था। इसके बावजूद मेहुल डोडिया द्वारा फैक्ट्री का अवैध रूप से संचालन किया जा रहा था। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए फैक्ट्री मालिक के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी किस स्तर तक की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए शहर के मेयर, अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) के आयुक्त तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चढ़ावा चोरी के बाद अब लैंड डील पर घिरा राम मंदिर ट्रस्ट

85 करोड़ की जमीन पर उगा रहा चारा

अयोध्या ● एजेंसी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड के बीच ट्रस्ट द्वारा जमीनों की खरीद पर भी सवाल उठे हैं। करोड़ों करोड़ की जमीन चंपत राय ने ट्रस्ट के लिए खरीदी और खुले हांथों से ट्रस्ट के पैसों को भर-भर कर बांटा गया। राम मंदिर परिसर से 6 किलोमीटर दूए शाहनवाजपुर मांझा में 85 करोड़ की जमीन खरीद कर ट्रस्ट ने विश्व हिंदू परिषद के गौशाला को दे दिया, जिस पर अब हरे चारे की खेती होती है। 2023 में ये जमीनें खरीदी गई थी और अब तक यहां कोई और निर्माण या मंदिर ट्रस्ट के लिहाज से इसका उपयोग होते नहीं देखा गया। ऐसे में सवाल तो उठता है कि हरे चारे उगाने के लिए ये 85 करोड़ की जमीन खरीद डाली? कांग्रेस नेता शरद शुक्ला इस जमीन का मुद्दा सबसे पहले उठाने वाले हैं। इसके बाद आप सांसद संजय सिंह, सपा के पूर्व विधायक पवन पांडेय और संतोष दुबे भी इस जमीन के खरीद का मुद्दा उठा चुके हैं।

6 गुना ज्यादा कीमत पर खरीदी गयी जमीनः गौशाला चलाना और गौशाला में सहयोग तो पुण्य का काम है। इसमें कोई दो राय नहीं, लेकिन शायद यह देश की इकलौती गौशाला होगी, जिसके लिये राम मंदिर ट्रस्ट ने 85 करोड़ की जमीन हरा चारा उगाने के लिये दे दी। मार्केट रेट से 6 गुना ज्यादा कीमत पर राम मंदिर से 6 किलोमीटर दूर चंपत राय ने 2023 में इस जमीन को बंसल परिवार से खरीदा। जिन तन्वी बंसल से जमीन खरीदी गई उनके पति मनीष बंसल ने फोन पर बातचीत में कहा कि उन्होंने जमीन ट्रस्ट को दे दी और जो भी मिला उसे प्रसाद स्वरूप स्वीकार किया। इनको 29 करोड़ 67 लाख का प्रसाद मिला है, जो दुनिया में आज तक का सबसे महंगा प्रसाद होगा।

कारसेवकपुरम की गौशाला में भेजा जाता है चारा

कारसेवकपुरम में जगह-जगह श्री राम गौशाला समिति के बोर्ड लगे हैं। चंपत राय इसके अध्यक्ष हैं। लगभग 100 गाय इस गौशाला में मौजूद हैं। साल 2000 में सोसाइटी रजिस्टर्ड कराई गई थी और तब से इसके अध्यक्ष चंपत राय ही हैं। इस सोसाइटी का राम मंदिर ट्रस्ट से कोई लेना देना नहीं है। ये गौशाला का काम देखने वाले विहिप नेता भी कहते हैं। साथ ही ये मानते भी हैं कि ट्रस्ट की जमीन पर हरा चारा उगाने का काम गौशाला के लिये किया जा रहा है। पहले हरा चारा खरीद कर लाते थे। अब ट्रस्ट की गाड़ी रोजाना शाहनेवाजपुर से चारा लाकर गौशाला में डिलीवर कर देती है। इसके अलावा राम मंदिर से इस गौशाला का कोई संबंध नहीं है।

पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज का अभिजीत पर आरोपः वांगचुक की जान लेकर रहेगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश मार्कंडेय काटजू ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दीपके पर राजनीतिक लाभ के लिए सोनम वांगचुक का कथित तौर पर इस्तेमाल करने का गंभीर आरोप लगाया है। पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज काटजू ने दावा किया है कि दीपके अपनी राजनीति चमकाने के लिए वांगचुक के हितों की परवाह किए बिना उसका उपयोग कर रहे हैं, और आशंका जाहिर की है कि वे उनकी जान को भी खतरे में डाल सकते हैं। पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज काटजू का मानना है कि सीजेपी के गठन के बाद दीपके के फॉलोअर्स में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे उनका मानसिक संतुलन खराब हो गया है और वहां प्रधानमंत्री बनने के मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखने लगा हैं। पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज ने जंतर-मंतर पर चल रहे सीजेपी आंदोलन और समर्थन देने वाले नेताओं व हस्तियों पर भी तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि जंतर-मंतर पर जो कुछ भी हो रहा है, वह उनके इस दावे को सही साबित करता है कि ज्यादातर भारतीय बेवकूफ हैं।

पाकिस्तान में एससीओ के बॉर्डर प्रमुखों की अहम बैठक, भारत भी हुआ शामिल

इस्लामाबाद ● एजेंसी

राजधानी इस्लामाबाद में पाकिस्तान की अध्यक्षता में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के बॉर्डर सर्विस प्रमुखों की 12वीं बैठक संपन्न हुई, जिसमें भारत ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। यह बैठक तब हुई है जब सदस्य देश क्षेत्रीय सीमा सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने और साझा चुनौतियों का सामना करने पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस उच्च-स्तरीय बैठक में बेलारूस, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और एससीओ के क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी ढांचे (आरएटीएस) की कार्यकारी समिति के बॉर्डर सर्विस प्रमुखों और प्रतिनिधियों ने शिरकत की।

बैठक के दौरान, प्रतिभागियों ने एससीओ सदस्य देशों की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर मौजूदा स्थिति, उससे जुड़े घटनाक्रमों और भविष्य के अनुमानों पर गहन जानकारी और आकलन का आदान-प्रदान किया। उन्होंने सदस्य देशों की सीमा सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए संयुक्त सीमा अभियान सॉलिडैरिटी-2025 के सफल परिणामों को मंजूरी दी। इसके अतिरिक्त, इस साल सॉलिडैरिटी-2026 के आयोजन की योजना पर विचार किया गया और हरी झंडी दी गई। 2027 में संयुक्त सीमा अभियान सॉलिडैरिटी-2027 आयोजित करने के ताजिकिस्तान के प्रस्ताव का भी सर्वसम्मति से समर्थन किया गया। प्रतिभागियों ने एससीओ सदस्य देशों के सीमा सुरक्षा बलों के प्रमुखों की अगली बैठक के स्थान और समय से संबंधित प्रस्तावों पर भी चर्चा की। यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण रही क्योंकि पाकिस्तान इसी साल सितंबर में एससीओ की अध्यक्षता संभालने वाला है। 1 सितंबर 2026 से 31 अगस्त 2027 तक पाकिस्तान 10 सदस्यीय समूह की अध्यक्षता करेगा और इस दौरान शिखर सम्मेलन सहित कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा। सभी भाग लेने वाले देशों ने इस बात पर जोर दिया कि सदस्य देशों की सीमाओं पर उभरती चुनौतियों और खतरों का सामना करने के लिए विचारों का आदान-प्रदान और साझा रुख अपनाना, उनकी सीमा सुरक्षा एजेंसियों के बीच सहयोग को और मजबूत करेगा।

ईवी नीति से घबराएं नहीं लोग, चरणबद्ध लागू होगी : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली ● एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति को लेकर आम जनता में फैली चिंताओं को दूर कर स्पष्ट किया है कि पेट्रोल और डीजल वाहन मालिकों को घबराने की जरुरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह नीति अचानक लागू नहीं होगी, बल्कि पूरी तरह चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा ताकि किसी पर भी अनावश्यक बोझ न पड़े। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने समझाया कि कोई भी बड़ी व्यवस्था एकाएक नहीं बदलती, बल्कि व्यवस्था को आकार लेने में समय और कई साल लगते हैं। इसी सिद्धांत पर चलते हुए, ईवी नीति को इस तरह से तैयार किया गया है कि लोग धीरे-धीरे इस बदलाव को अपनाएं और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने साफ किया कि जिनके पास पहले से पेट्रोल और डीजल वाहन हैं, वे अपनी गाडिय़ों का उपयोग उनकी वैध अवधि समाप्त होने तक बिना किसी रोक-टोक के कर सकते हैं। जनता को

इस विषय पर किसी भी तरह की चिंता या भ्रम में पडऩे की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री रेखा ने नीति के महत्वपूर्ण चरणों का उल्लेख कर बताया कि 1 जनवरी 2027 से दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक ऑटो का पंजीकरण होगा। इसका अर्थ है कि नए ऑटो खरीदने वालों को इलेक्ट्रिक विकल्प ही चुनना होगा, जबकि मौजूदा पेट्रोल-डीजल ऑटो अपनी निर्धारित अवधि तक चलते रहने वाले है। इसी क्रम में, अप्रैल 2028 से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए नई पंजीकरण व्यवस्था लागू होगी, जिसमें नए टू-व्हीलर केवल इलेक्ट्रिक होगा। हालांकि, पुराने पेट्रोल या डीजल दोपहिया वाहन भी अपनी वैध समय-सीमा तक उपयोग किए जा सकते है।

रेखा गुप्ता ने कहा कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के प्रदूषण को कम करना और शहर को स्मार्ट मोबिलिटी की दिशा में आगे बढ़ाना है, न कि किसी को परेशान करना। उन्होंने कहा कि यदि इसतरह के स्पष्ट और चरणबद्ध नियम नहीं लागू किए जाते हैं, तब सरकार द्वारा किया जा रहा करीब 15,000 करोड़ रुपये का निवेश भी पूरी तरह प्रभावी नहीं होगा। दिल्ली सरकार का लक्ष्य जनता को बेहतर सुविधाएं देना है ताकि वे स्वयं इस पर्यावरणीय बदलाव का हिस्सा बनें। ईवी नीति के तहत लोगों को सब्सिडी, व्यापक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाना और भी सुगम हो सके।

बॉटम

अंतरिक्ष क्षेत्र में नया इतिहास, स्काईरूट एयरोस्पेस की बड़ी उपलब्धि

भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण

हैदराबाद ● एजेंसी

भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए अपने पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल विक्रम-1 का शनिवार को सफल प्रक्षेपण कर दिया। हैदराबाद स्थित स्पेस-टेक स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित इस रॉकेट ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) से दोपहर 12:08 बजे सफलतापूर्वक उड़ान भरी। इस सफलता के साथ भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र ने एक नए युग में प्रवेश कर लिया है। रॉकेट के सफल प्रक्षेपण के बाद देशभर से बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर स्काईरूट एयरोस्पेस की पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत के पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल

लॉन्च व्हीकल की यह सफलता देश के तेजी से उभरते निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि स्पेस टेक्नोलॉजी और बढ़ती स्पेस इकोनॉमी में भारत की बढ़ती क्षमता का प्रमाण है तथा वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में देश की स्थिति को और मजबूत करेगी।

अत्याधुनिक विशेषाताओं से लैस है विक्रम-1: तकनीकी दृष्टि से विक्रम-1 कई अत्याधुनिक विशेषताओं से लैस है। यह लगभग 350 किलोग्राम तक के पेलोड को पृथ्वी की निचली कक्षा में 450 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचाने में सक्षम है। इसके ऊपरी चरण में पूरी तरह 3डी-प्रिंटेड लिक्विड इंजन का उपयोग किया गया है, जबकि इसका मुख्य ढांचा ऑल-कार्बन कंपोजिट सामग्री से निर्मित है, जिससे इसका वजन कम और मजबूती अधिक बनी रहती है।

वैश्विक स्तर पर मिलेगी नई पहचान

रॉकेट के पहले तीन चरणों में ठोस ईंधन तथा चौथे चरण में तरल ईंधन का इस्तेमाल किया गया है। इसे विशेष रुप से छोटे और मध्यम आकार के उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी एक बड़ी विशेषता यह भी है कि इसे कम समय में किसी भी उपयुक्त स्थान पर असेंबल कर लॉन्च किया जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि विक्रम-1 की सफलता भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग को वैश्विक वाणिज्यिक लॉन्च बाजार में नई पहचान दिलाने के साथ भविष्य में अंतरिक्ष मिशनों के लिए नए अवसर भी प्रदान करेगी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा पंकज प्रीटर्स एड पेकिंजिंग, ए-16, एल्फा पार्क, सांवेर रोड,एल्फा इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित 1054-एल, यूनियन बैंक, स्कीम नं. 114 इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- नितिन श्रीवास, आर.एन.आई. नबंर - एमपीएचआईएन/20ए3002 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)